दैनिक
मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
RNI. No. 69062/94
निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र

प्रभात परिक्रमा

आवश्यकता है
दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है
: संपर्क :
9425023929

वर्ष: 30 | अंक: 228 | भोपाल, मंगलवार 2 सितंबर 2025 | पृष्ठ: 08 | मूल्य: 1 रुपए

न्यूज. ब्रीफ

4 करोड़ की स्मैक के साथ 6 गिरफ्तार

अमरोहा। उत्तर प्रदेश के अमरोहा में पुलिस ने 4 करोड़ रुपए की स्मैक के साथ दो पुलिस कर्मियों समेत कुल 6 तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों में एक नाबालिग भी है। पुलिस को आरोपी तस्करों के कब्जे से एक कार, 5 मोबाइल और 3490 रुपये कैश समेत करीब 1340 ग्राम स्मैक बरामद हुई है। जिसकी अनुमानित कीमत करीब 4 करोड़ रुपए बताई जा रही है। हैरानी की बात ये है कि इस मामले में दो पुलिस कर्मी भी शामिल हैं। जिनको तस्करों के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। एएसपी अखिलेश भदौरिया ने पूरे मामले को लेकर बयान भी दिया है। उन्होंने कहा कि 2 पुलिसकर्मियों समेत 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार सभी तस्करों को जेल भी भेजा जा चुका है।

भूस्खलन से चार लोगों की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश में रेड अलर्ट के बीच रविवार से जारी जोरदार बारिश ने तबाही मचाई है। जगह-जगह भूस्खलन से व्यापक नुकसान हुआ है। शिमला की जुन्गा तहसील में पटवार सर्कल डबलू के उप मोहाल जोत में एक घर भूस्खलन की चपेट में आ गया। हादसे में पिता और पुत्री की मौत हो गई है। मृतक की पहचान वीरेंद्र कुमार (35), पुत्र जय सिंह निवासी पटवार सर्कल डबलू के उप मोहाल जोत के रूप में हुई है। हादसे में उसकी 10 वर्षीय बेटी की भी मौत हो गई है। इसके साथ ही मवेशियों की भी मौत हो गई। घटना में मृतक की पत्नी बाल-बाल बच गई, क्योंकि वह उस समय घर के बाहर थीं।

अगस्त में 1.86 लाख करोड़ का जीएसटी कलेक्शन

नई दिल्ली। सरकार ने अगस्त 2025 में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) से 1.86 लाख करोड़ रुपए जुटाए हैं। सालाना आधार पर इसमें 6.5 की बढ़ोतरी हुई है। सोमवार 1 सितंबर को जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, एक साल पहले यानी अगस्त 2024 में सरकार ने 1.75 लाख करोड़ रुपए जीएसटी कलेक्ट किया था। वहीं पिछले महीने जुलाई के मुकाबले अगस्त का कलेक्शन 10 हजार करोड़ रुपए घटा है। जुलाई में 1.96 लाख करोड़ रुपए जीएसटी वसूला गया था। इससे पहले अप्रैल 2025 में रिकॉर्ड 2.37 लाख करोड़ रुपए और मई में 2.01 लाख करोड़ रुपए जीएसटी के रूप में जुटाए गए थे। जुलाई महीने में देश में जीएसटी लागू हुए 8 साल पूरे हो गए। 1 जुलाई 2017 को देश में जीएसटी लागू किया गया था। इस दौरान टैक्स कलेक्शन के आंकड़ों ने नया रिकॉर्ड बनाया था। वित्त वर्ष 2024-25 में ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन 22.08 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है, जो 5 साल पहले 2020-21 में सिर्फ 11.37 लाख करोड़ था। यानी, 5 साल में टैक्स वसूली लगभग दोगुनी हो गई है। 2024-25 में हर महीने औसत जीएसटी कलेक्शन 1.84 लाख करोड़ रुपए रहा। ये 5 साल पहले 2020-21 में 95 हजार करोड़ रुपए था।

अफगानिस्तान में भूकंप से 800 से ज्यादा की मौत

2500 से ज्यादा घायल, कई गांव हुए तबाह

काबुल। बीती रात अफगानिस्तान के कई इलाकों में भीषण भूकंप आया है। इससे कई घरों और भवनों को नुकसान हुआ है। इस मलबे में दबकर 800 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई जबकि 2500 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। इस भूकंप में कई गांव पूरी तरह तबाह हो चुके हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार इस प्राकृतिक आपदा में कम से कम 800 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 2500 से अधिक लोग घायल हुए हैं। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.0 मापी गई और इसका केंद्र जमीन से केवल 8 किलोमीटर की गहराई पर था। इसके कारण भारी तबाही की आशंका जताई जा रही है. सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरों में मलबे में दबे घरों और घायलों को बाहर निकालने की कोशिश करते लोगों की तस्वीरें देखी जा सकती हैं। एक तस्वीर में एक व्यक्ति मलबे के बीच रोते हुए नजर आ रहा है, जो इस दुखद घटना की गंभीरता को दशार्ता है। आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से जारी बयान में बताया गया कि भूकंप का केंद्र कुनर प्रांत के हिंदू कुश क्षेत्र में था, जिसने नूरगल, सूकी, वतपुर, मानोगी और चपे-दरे जैसे दूरदराज के इलाकों को बुरी तरह प्रभावित किया है। स्थानीय अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि कई गांवों तक राहत और बचाव कार्यों की पहुंच अभी तक नहीं हो पाई है। विशेषज्ञों का मानना है कि हिंदू कुश क्षेत्र का भूकृतिकीय रूप से सक्रिय होना इस तरह की आपदाओं का कारण है जहां यूरेशियन और भारतीय टेक्टोनिक प्लेट्स आपस में टकराती हैं। मौजूदा स्थिति में चिकित्सा शिविरों की स्थापना और भोजन-पानी की आपूर्ति की मांग बढ़ गई है, क्योंकि कई परिवार बेघर हो गए हैं। अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने इस संकट पर चिंता जताई है और राहत सामग्री भेजने की तैयारी शुरू कर दी है। संयुक्त राष्ट्र के आपदा प्रबंधन विभाग ने कहा कि वे प्रभावित क्षेत्रों का आकलन करने के लिए जल्द ही अपनी टीम भेजेंगे। तालिबान सरकार के पास सीमित संसाधन हैं और वे संयुक्त राष्ट्र और अन्य मानवीय संगठनों से तत्काल मदद की उम्मीद कर रहे हैं। इस भूकंप ने अफगानिस्तान की पहले से ही कमजोर अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य ढांचे को और चुनौती दी है।

जम्मू में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का केंद्रीय मंत्री शाह ने किया हवाई सर्वेक्षण

सीएम और राज्यपाल के साथ की बैठक

जम्मू। जम्मू में बाढ़ के कारण हुई तबाही के बाद, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हालात का जायजा लिया। उन्होंने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के साथ समीक्षा बैठक की। इस बैठक में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा भी शामिल थे। बैठक के बाद, केंद्रीय मंत्री शाह ने मंगूचक सहित बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। उन्होंने बिक्रम चौक के पास तवी पुल पर रुककर नदी के किनारे हुए नुकसान का भी निरीक्षण किया। वे बाढ़ की स्थिति और राहत कार्यों का जायजा लेने के लिए रविवार रात को जम्मू पहुँचे थे। 14 अगस्त से किश्तवाड़, कठुआ, रियासी और रामबन ज़िलों में बादल फटने, भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ से 130 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है और 33 लोग अभी भी लापता हैं। 26-27 अगस्त को हुई रिकॉर्ड बारिश से जम्मू और अन्य मैदानी इलाकों के निचले हिस्सों में अचानक बाढ़ आ गई, जिससे बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुँचा। मृतकों में 34 तीर्थयात्री भी शामिल हैं, जो 26 अगस्त को माता वैष्णो देवी मंदिर जाते समय भूस्खलन की चपेट में आ गए थे।

दक्षिण अफ्रीका बी एल डब्लू से 3100 अश्व शक्ति का इंजन खरीदेगा

वाराणसी। दक्षिण अफ्रिका के पांच सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल ने मेसर्स सिको अफ्रिका इनर्जी एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर, दक्षिण अफ्रिका के मुख्यि कार्यकारी अधिकारी शिवप्रगसेन नायडू के नेतृत्व में बरेका में लोको निर्माण की सुविधाओं एवं क्षमताओं का जायजा लेने के लिए दिनांक 01सितम्बर,2025 को बनारस रेल इंजन कारखाना(इछह)का दौरा किया। दक्षिण अफ्रिकी प्रतिनिधि मण्डल के बरेका आगमन का मुख्य उद्देश्य भारतीय रेल में सेवारत 3100 अश्व शक्ति ब्रॉड गेज अल्को लोकोमोटिव को केप गेज में परिवर्तन के उपरांत खरीदना है, जिसके लिए प्रतिनिधि मण्डल ने लोको की तकनीकी जानकारी ली, बरेका की उत्पादन एवं डिजाइन क्षमताओं को देखा। इन पांच सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल में शिवप्रगसेन नायडू, सुश्री मेसेला मैरी न्हालापो, इवान प्रिन्स्लू, मुनीश गुप्ता तथा वॉन जोहान क्रिस्टियान इक शामिल थे। सर्वप्रथम मुख्य यांत्रिक इंजीनियर-उत्पादन एवं विपणन सुनील कुमार ने प्रतिनिधि मंडल के बरेका आगमन पर स्वागत किया। तत्पश्चात प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर सुशील कुमार श्रीवास्तव ने वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में प्रतिनिधि मण्डल के साथ मुलाकात की। तदोपरांत प्रतिनिधि मण्डल ने लोको निर्माण की सुविधाओं एवं क्षमताओं का जायजा लेने हेतु कारखाना भ्रमण किया।

गौतम अडानी की कंपनी बनाएगी स्टील्थ फाइटर जेट

15000 करोड़ के प्रोजेक्ट पर दांव खेलने की तैयारी

नई दिल्ली। गौतम अडानी की कंपनी अब फाइटर जेट्स बनाएगी। अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने रक्षा मंत्रालय के एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट प्रोग्राम में अपनी भागीदारी की पुष्टि की है, जो भारत की प्रमुख पांचवीं पीढ़ी की स्टील्थ लड़ाकू विमान परियोजना है। कंपनी के सीईओ आशीष राजवंशी ने कहा कि यह प्रोग्राम अभी रुचि पत्र के चरण में है और इसे लेकर 30 सितंबर तक प्रतिक्रियाएं देनी हैं। एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट स्टील्थ जेट परियोजना के लिए बोली लगाने की लास्ट डेट 30 सितंबर है और अडानी डिफेंस ने इसमें अपनी रुचि की पुष्टि की है। राजवंशी के मुताबिक, एएमसीए का प्रोजेक्ट 10 साल के डेवलपमेंट प्रोग्राम है, जिसके तहत पहला लड़ाकू विमान 2034-35 तक भारतीय वायु सेना के बेड़े में शामिल होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि सफलता मिलने पर हम बाद में तेज प्रोडक्शन शुरू करेंगे। गौरतलब है कि केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में एएमसीए प्रोग्राम को मंजूरी दी है, जिससे पहली बार इस कार्यक्रम को सरकारी और प्राइवेट दोनों सेक्टर्स की भागीदारी के लिए खोला गया है। सरकार ने इस परियोजना पर शुरूआती चरण में करीब 15,000 करोड़ रुपये के खर्च का अनुमान लगाया है, जिसमें एडीए ने प्रोटोटाइप डेवलपमेंट, टेस्टिंग और प्रमाणन में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए बिजनेस ग्रुप्स को आमंत्रित किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिए क्रिएटर्स अवार्ड्स

मध्यप्रदेश में भी दिये जायेंगे स्टेट क्रिएटर्स अवार्ड्स : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल में हुई क्रिएटर्स समिट - 2025

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज हम डिजिटल युग में जी रहे हैं। सूचनाओं और घटनाओं का प्रसार बड़ी तेजी से होता है। ऐसे दौर में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और कंटेंट क्रिएटर्स की भूमिका बेहद अहम है। उन्होंने कहा कि आप लोग जो भी कंटेंट वायरल करेंगे, वही समाज तक पहुंचेगा। इसलिए अपने प्रभाव और ताकत का समाजहित में सही दिशा में सदुपयोग करना आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि सभी क्रिएटर्स को अपने दायित्व को समझते हुए अपनी ऊर्जा का इस्तेमाल समाज और देश के विकास में करना चाहिए। यही सच्ची समा सेवा है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया की पहुंच और प्रभाव का उपयोग शासकीय

योजनाओं और विकास कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने में किया जा सकता है। इसीलिए हमारे सरकार प्रदेश में सोशल मीडिया के जरिए पब्लिक नेटवर्किंग को बढ़ावा दे रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्रिएटर्स से कहा कि वे सरकार के कामों को भी जनता तक पहुंचाये, सरकार क्रिएटर्स को सभी जरूरी मदद और सुविधाएं प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घोषणा करते हुए कहा कि अब मध्यप्रदेश में स्टेट क्रिएटर्स अवार्ड दिए जायेंगे। इसकी रूपरेखा जल्द ही तैयार की जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार की रात भोपाल के एक निजी होटल में आयोजित भोपाल क्रिएटर्स समिट - 2025 को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां क्रिएटर्स द्वारा आयोजित टाक शो में भी हिस्सा लिया। टॉक शो में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ 2028 में सोशल मीडिया से जुड़े क्रिएटर्स को सभी जरूरी सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। समिट में प्रदेश भर से आए यूट्यूबर्स, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और डिजिटल आर्टिस्ट्स ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर कंटेंट मॉनेटाइजेशन, ऑडियंस इंगेजमेंट और डिजिटल दुनिया के नए ट्रेंड्स पर गहन चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 17 प्रकार की अवार्ड कैटेगरी में बेस्ट परफॉर्मर क्रिएटर्स को ह्यक्रिएटर्स अवार्ड्सह्ल भी प्रदान किए। समिट में सचिव एवं आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े ने कहा कि क्रिएटर्स ने दुनिया की सोच बदल दी है। ये एक नई तरह की आरेन्ज इकानामी है जो अब दुनिया में 6 ट्रिलियन डातर की हो गई है। उन्होंने कहा कि आप अपनी क्रियेटिव सोच के साथ आगे बढ़, सरकार आपके अच्छे काम में आपके साथ है। कार्यक्रम में डिजिटल क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले क्रिएटर्स को भी सम्मानित किया गया।

सीमा विवाद से विकास साझेदारी तक: मोदी-शी की मुलाकात में रिश्तों का नया अध्याय खुला

सीमा से आगे, विकास के संग: मोदी-शी संवाद

बीजिंग। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहली चीन यात्रा वह लंबा इंतजार था, जब सीमा विवाद और अमेरिका के साथ बिगड़ते संबंधों की छाया गहराने लगी थी। इतनी जटिल परिस्थितियों के बावजूद, भारत और चीन ने इस मुलाकात में अपनी गहरी साझेदारी और भरोसे की बहाली की कोशिशें दिखाई। यह पहली बार था जब दोनों देशों ने अपने संबंधों को विकास साझेदार, प्रतिद्वंद्वी नहीं के रूप में परिभाषित किया। भारतीय पक्ष का यह नजरिया न सिर्फ उनके बयान में आया, बल्कि चीनी बयान में भी साफझसाफ दशार्या गया– जब तक दोनों देश साझेदारी की मूल भावना के साथ आगे बढ़ते हैं और एक-दूसरे के लिए अवसर पैदा करते हैं, तब तक संबंधों में मजबूती और स्थिरता बनी रहेगी। इस नए रास्ते ने वर्षों पुराने तनाव और अविश्वास को पीछे छोड़ते हुए विकास के एजेंडे पर फोकस किया,

शांति, स्वायत्तता और सहयोग: एशिया की नयी परिभाषा

ट्रंप की टैरिफ दीवार ने बढ़ाई दूरी, पर भारत-चीन की नजदीकी बढ़ी

डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार नीतियों ने भारत-चीन रिश्तों को अप्रत्यक्ष रूप से नई दिशा दी। अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ ने दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव बनाया और साझा चुनौतियों का एहसास कराया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की हालिया मुलाकात में यह साफ झलका कि भारत और चीन अब खुद को केवल प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि सहयोगी भागीदार के रूप में देखना चाहते हैं। मोदी ने स्पष्ट कहा कि रणनीतिक स्वायत्तता भारत की विदेश नीति का मूल है और किसी तीसरे देश के दृष्टिकोण से रिश्तों को नहीं देखा जाएगा।

सीमा विवाद की परछाई से उभरता भरोसे का उजाला

भारत,चीन संबंध हमेशा से उतार चढ़ाव और जटिलताओं से भरे रहे हैं। सीमा विवाद, अमेरिका के साथ समीकरण और वैश्विक राजनीति की चुनौतियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहली चीन यात्रा विशेष महत्व रखती है। बीजिंग में हुई इस ऐतिहासिक मुलाकात ने दोनों देशों को विकास साझेदार, प्रतिद्वंद्वी नहीं की नई परिभाषा दी। यह दृष्टिकोण केवल शब्दों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि द्विपक्षीय बयानों में भी स्पष्ट झलका। मोदी और शी जिनपिंग के बीच हुई चर्चा में न केवल आर्थिक सहयोग और निवेश विस्तार पर जोर दिया गया।

फेक न्यूज का वाहक न बने मीडिया: हरिनारायणचारी

एमसीयू में मीडिया और पुलिस विषय पर मास्टर क्लास

भोपाल। भोपाल के पुलिस आयुक्त श्री हरिनारायणचारी मिश्रा का कहना है कि घटनाएं कई बार जैसी दिखती हैं वैसी नहीं होतीं। अक्सर उनकी पड़ताल करने कुछ अलग ही सच उजागर होता है। वस्तुनिष्ठता के बजाए भावनाओं के आधार पर लिखने से चीजें बिगड़ सकती हैं। श्री मिश्रा आज यहां माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित 'मीडिया और पुलिस' विषय आयोजित पर मास्टर क्लास को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु श्री विजय मनोहर तिवारी, कुलसचिव प्रो. पी. शशिकला, विभागाध्यक्ष प्रो.संजय द्विवेदी मौजूद रहे।

श्री हरिनारायणचारी ने कहा कि तकनीक के कारण अपराध का तरीका बदला है, भौगोलिक सीमाएं भी टूट गयी हैं। ऐसे में सूचना के प्रवाह के विनियमित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि तर्कसंगत ढंग से घटना को न देखें तो जांच की दिशा बदल जाती है। ऐसे में लोगों के जागरूक करने में मीडिया की भूमिका बहुत महत्व की है। उन्होंने बताया की कई बार अपराध को ग्लैमराइज्ड करके दिखाया जाता है। इससे समाज में गलत चलन का खतरा पैदा होता है। देखा गया है कि आत्महत्या की खबरों को बढ़ा- चढ़ा कर पेश करने से आत्महत्याओं की संख्या बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि मीडिया रिपोर्टिंग की कसौटी है जनहित और राष्ट्रहित। उनका कहना था कि मीडिया की सक्रियता के चलते कई कानून बदले और कई कानूनों को और कड़ा बनाया गया। इसके साथ ही अनेक मामले मीडिया के दबाव में खुले और सामने आए। कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि लगातार गांवों से शहरों की तरफ पलायन से पुलिस पर दबाव बढ़ा है। पत्रकारिता के विद्यार्थियों पर दुहरा दवाब है कि वे अच्छे नागरिक भी बनें और अच्छे पत्रकार भी। राष्ट्रीय सुरक्षा के सवालों को रिपोर्ट करते समय हमें ध्यान रखना है कि क्या देना और क्या नहीं देना। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

संपादकीय

पहले से हो तैयारी

हिमालय क्षेत्र इस समय भयानक तबाही के दौर से गुजर रहा है। उत्तराखंड से लेकर जम्मू-कश्मीर तक, नदियां उफान पर हैं, पहाड़ दरक रहे हैं और जिंदगियां दांव पर लगी हैं। ये आपदाएं और जानमाल का नुकसान गंभीर चेतावनी है।

जम्मू में वैष्णो देवी धाम के पास हुए लैंडस्लाइड में मृतकों की संख्या 32 तक जा पहुंची है। यात्रा रोकनी पड़ी है और फंसे हुए यात्रियों को निकाल कर सुरक्षित घर पहुंचाने की कोशिश जारी है। जम्मू ने केवल 20 घंटों में ही 10 साल की सबसे ज्यादा बारिश देख ली। राज्य के कई हिस्सों में कमोबेश ऐसे ही हालात हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ङ्क पर बताया कि भारी बारिश से आम जनजीवन प्रभावित हुआ है।

इस मॉनसून सीजन में यह सीन बार-बार दिख रहा है। इसी महीने की शुरुआत में उत्तराखंड के धराली में बादल फटने के बाद आए फ्लैश फ्लड ने पूरे कस्बे को तबाह कर दिया। फिर चमोली के थराली में आफत बरसी। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में एक बार पहले भी, इसी 14 तारीख को बादल फटने से भारी तबाही मची थी। मचैल माता यात्रा के रास्ते पर आई प्राकृतिक आपदा की वजह से जन-धन की हानि हुई थी।

इन घटनाओं पर गौर करें तो आपदाओं में जान गंवाने वालों में बड़ी तादाद पर्यटकों की रही। धराली, उत्तराखंड के चार धाम में से एक, गंगोत्री के रूट पर पड़ता है। इसी तरह वैष्णो देवी के दर्शन के लिए सालभर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है। ये हादसे सबक हैं कि पहाड़ी क्षेत्रों में मौजूद भीड़भाड़ वाले पर्यटन और धार्मिक क्षेत्रों में ऐसे इंतजाम करने की जरूरत है, जिससे किसी अनहोनी की सूरत में लोगों को तुरंत निकाला जा सके।

प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। इसके लिए अर्ली वॉर्निंग सिस्टम को बेहतर करने की जरूरत है। बाढ़ और भूस्खलन के खतरे वाले इलाकों में लगातार निगरानी से खतरों की पूर्व सूचना मिल सकती है। मॉनसून के सीजन में पहाड़ों की यात्रा वैसे भी मुश्किल भरी हो जाती है, तो इस मौसम में यात्रियों की संख्या सीमित करने पर विचार किया जा सकता है।

मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट दिया है। दूसरे राज्यों के पर्यटक और श्रद्धालु अब भी विभिन्न जगहों पर फंसे हुए हैं। अभी इन सभी की सुरक्षित घर वापसी और राहत-बचाव पर फोकस होना चाहिए। साथ में, ऐसी नीतियों की जरूरत है, जिसमें पहाड़ों की संवेदनशीलता का ख्याल रखा गया हो।

संवैधानिक कसौटी और समानता का सवालः संविधान के अनुच्छेद 14 सभी को समानता का अधिकार देते हैं, अनुच्छेद 15(3) महिलाओं और बच्चों को विशेष संरक्षण प्रदान करता है और अनुच्छेद 21 हर नागरिक को गरिमा और जीवन का अधिकार सुनिश्चित करता है। ये अधिकार धर्म या परंपरा पर निर्भर नहीं हैं। जब हिंदू, सिख, ईसाई, बौद्ध या पारसी बच्चियों के लिए विवाह की न्यूनतम आयु 18 वर्ष है, लेकिन मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत इसे 15 या 16 वर्ष में वैध ठहराया जाता है, तो यह नागरिकता की समानता के सिद्धांत पर सीधा आघात है।

बच्चियों की सुरक्षा, न्यायालय और पर्सनल लॉ : जरूरी है समान नागरिकता

डॉ. निवेदिता शर्मा

भारत के लोकतांत्रिक ढांचे के सामने इस समय सबसे गंभीर सवाल यह है कि क्या देश की बच्चियों और बच्चों की सुरक्षा उनकी धार्मिक पहचान और पर्सनल लॉ से तय होगी या फिर संविधान और संसद द्वारा बनाए गए कानून सभी पर समान रूप से लागू होंगे। यह सवाल केवल कानूनी तकनीक या न्यायिक व्याख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के भविष्य और राष्ट्र की दिशा तय करने वाला है। हाल के वर्षों में विभिन्न उच्च न्यायालयों ने मुस्लिम पर्सनल लॉ का हवाला देते हुए यह कहा कि यदि कोई मुस्लिम लड़की यौवन प्राप्त कर चुकी है तो उसका विवाह, भले ही वह 18 वर्ष से कम उम्र की हो, वैध माना जाएगा। इन निर्णयों के पीछे तर्क दिया गया कि शरीयत के अनुसार यौवन विवाह की क्षमता प्रदान करता है। परंतु यह व्याख्या बच्चों के अधिकारों, संसद द्वारा बनाए गए पॉक्सो कानून और संविधान के मूलभूत सिद्धांतों को सीधी चुनौती देती है।

संसद ने 2012 में बच्चों को यौन अपराधों से बचाने के लिए पॉक्सो अधिनियम पारित किया। इसमें साफ-साफ परिभाषा दी गई कि 18 वर्ष से कम उम्र का हर व्यक्ति बच्चा है और उसके साथ किसी भी प्रकार का यौन संबंध अपराध है, चाहे वह विवाह के नाम पर ही क्यों न हो। जब अदालतें पर्सनल लॉ के आधार पर इस प्रावधान को दरकिनार करती हैं, तो केवल कानून का उल्लंघन नहीं होता, बल्कि यह एक ऐसी दोहरी व्यवस्था पैदा करता है, जो संविधान की समानता की गारंटी को कमजोर करती है।

संवैधानिक कसौटी और समानता का सवालः संविधान के अनुच्छेद 14 सभी को समानता का अधिकार देते हैं, अनुच्छेद 15(3) महिलाओं और बच्चों को विशेष संरक्षण प्रदान करता है और अनुच्छेद 21 हर नागरिक को गरिमा और जीवन का अधिकार सुनिश्चित करता है। ये अधिकार धर्म या परंपरा पर निर्भर नहीं हैं। जब हिंदू, सिख, ईसाई, बौद्ध या पारसी बच्चियों के लिए विवाह की न्यूनतम आयु 18 वर्ष है, लेकिन मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत इसे 15 या 16 वर्ष में वैध ठहराया जाता है, तो यह नागरिकता की समानता के सिद्धांत पर सीधा आघात है। राष्ट्र तभी ÷एक कानून, एक सुरक्षा÷ की दिशा में आगे बढ़ सकता है, जब सभी बच्चियों को उनकी धार्मिक पहचान से परे समान सुरक्षा मिले। अन्यथा भारत दोहरी व्यवस्था वाला देश बन जाता है, जहाँ एक समुदाय की बेटी को राज्य का संरक्षण मिलता है और दूसरी बेटी उसी उम्र में ÷वैवाहिक बंधन÷ के नाम पर असुरक्षित छोड़ दी जाती है।

विधिक ढांचा और न्यायालयों की व्याख्याः देश में बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 और पॉक्सो अधिनियम, 2012 दोनों स्पष्ट रूप से 18 वर्ष की आयु से पहले विवाह और यौन संबंधों को अपराध घोषित करते हैं। इतना ही नहीं, उच्चतम न्यायालय ने 2017 में इंडिपेंडेंट थॉट बनाम यूनियन ऑफ इंडिया के ऐतिहासिक फैसले में कहा कि यदि पत्नी की आयु 18 वर्ष से कम है तो उसके साथ यौन संबंध बलात्कार के समान अपराध होगा। इस फैसले ने परंपरा को बच्चों की सुरक्षा से ऊपर रखने से इनकार किया और संविधान की सर्वोच्चता को स्थापित किया। बावजूद इसके, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय जैसे कुछ न्यायालयों ने मुस्लिम पर्सनल लॉ का हवाला देकर नाबालिग विवाह को मान्यता दी। वहीं, दिल्ली और केरल उच्च न्यायालय ने साफ कहा कि पॉक्सो सभी व्यक्तिगत कानूनों से ऊपर है। यह विरोधाभास अपने आप में इस आवश्यकता को रेखांकित करता है कि अब सर्वोच्च न्यायालय को संविधान पीठ गठित कर स्पष्ट और सर्वमान्य निर्णय देना चाहिए।

एनसीपीसीआर और न्यायपालिका का रुखः बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए संसद ने राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) बनाया। यही संस्था जब सुप्रीम कोर्ट में पहुंची तो उसकी याचिका को यह कहकर खारिज कर दिया गया कि वह ÷अजनबी÷ है और मामले में उसकी लोकस स्टैंडी नहीं है। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। अगर बच्चों की वैधानिक संरक्षक संस्था को ही न्यायपालिका सुनने को तैयार न हो, तो फिर बच्चियों की आवाज कौन उठाएगा? संसद को चाहिए कि वह एनसीपीसीआर को यह अधिकार स्पष्ट रूप से प्रदान करे कि वह सीधे सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों में बच्चों के अधिकारों से जुड़े मामलों में हस्तक्षेप कर सके।

बाल विवाह आज भी सामाजिक चुनौतीः यह प्रश्न अक्सर मुस्लिम पर्सनल लॉ तक सीमित कर दिया जाता है, लेकिन सचाई यह है कि बाल विवाह पूरे देश में एक व्यापक सामाजिक समस्या है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के अनुसार भारत में 23 प्रतिशत लड़कियां 18 वर्ष से पहले विवाह कर लेती हैं। ग्रामीण इलाकों में यह दर और अधिक है। पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और असम जैसे राज्यों में बाल विवाह की दर 30 प्रतिशत से ऊपर है। इन आँकड़ों से साफ है कि समस्या किसी एक धर्म या समुदाय की नहीं, बल्कि सामाजिक संरचना और पिछड़ेपन से जुड़ी है। लेकिन जब न्यायालय पर्सनल लॉ के आधार पर बाल विवाह को वैध ठहराते हैं, तो यह सामाजिक समस्या और गहरी हो जाती है।

अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य और भारत की प्रतिबद्धताः भारत ने संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार संधि (यूएनसीआरसी) पर 1992 में हस्ताक्षर किए। इस संधि के अनुसार 18 वर्ष से कम आयु का हर व्यक्ति बच्चा है और उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करना राज्य का दायित्व है। भारत ने सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी-5.3) के तहत 2030 तक बाल विवाह समाप्त करने का संकल्प भी लिया है। महत्वपूर्ण यह है कि कई मुस्लिम-बहुल देशों जैसे इंडोनेशिया, मलेशिया और बांग्लादेश ने विवाह की न्यूनतम आयु 18 वर्ष तय की है। बांग्लादेश ने 2017 में बाल विवाह निषेध अधिनियम लाकर नाबालिग विवाह को अपराध घोषित किया। यह स्पष्ट करता है कि यह धर्म का नहीं, बल्कि बच्चों की सुरक्षा और सामाजिक सुधार का वैश्विक एजेंडा है।

मुस्लिम समाज के भीतर सुधार की आवाजः मुस्लिम समाज के भीतर भी बड़ी संख्या में लोग बाल विवाह का विरोध कर रहे हैं। अनेक मुस्लिम महिला संगठन और सामाजिक कार्यकर्ता इस बात पर जोर देते हैं कि इस्लाम बाल विवाह को बढ़ावा नहीं देता। पैगंबर मोहम्मद की शिक्षाओं में विवाह परिपक्वता और सहमति पर आधारित बताया गया है, न कि केवल शारीरिक यौवन पर। इसलिए सुधार की मांग बाहर से थोपी हुई नहीं, बल्कि समुदाय के भीतर से भी आ रही है। कम उम्र में विवाह केवल कानूनी समस्या नहीं है, बल्कि इसके सामाजिक और स्वास्थ्य पर दूरगामी दुष्परिणाम होते हैं। किशोरावस्था में गर्भधारण से मातृ मृत्यु दर कई गुना बढ़ जाती है। जल्दी विवाह से बच्चियों की शिक्षा अधूरी रह जाती है और आत्मनिर्भर बनने का सपना टूट जाता है। नाबालिग मातृत्व से जनसंख्या वृद्धि की गति तेज होती है, जिससे संसाधनों पर बोझ बढ़ता है। खेल, शिक्षा, कला और विज्ञान में संभावित प्रतिभाएँ असमय विवाह के कारण घर की चारदीवारी तक सीमित हो जाती हैं। मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर पड़ता है। जल्दी विवाह करने वाली बच्चियों में अवसाद और आत्महत्या की प्रवृत्ति अधिक पाई जाती है।

उच्चतम न्यायालय का हस्तक्षेप आवश्यकः पॉक्सो अधिनियम में 2019 के संशोधन द्वारा कठोर दंड प्रावधान किए गए, जिनमें नाबालिगों के साथ बलात्कार पर मृत्युदंड तक का प्रावधान है। यह संकेत है कि संसद और सरकार दोनों बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर हैं। लेकिन यदि अदालतें पर्सनल लॉ का हवाला देकर इन प्रावधानों को निष्प्रभावी बना दें, तो यह सख्ती केवल कागज पर रह जाएगी। अब समय आ गया है कि उच्चतम न्यायालय संविधान पीठ गठित कर यह स्पष्ट करे कि पॉक्सो और बाल विवाह निषेध अधिनियम सभी व्यक्तिगत कानूनों से ऊपर हैं। संसद को भी चाहिए कि पॉक्सो अधिनियम में एक स्पष्ट प्रावधान जोड़ा जाए, जो बच्चों की सुरक्षा को सभी पर्सनल लॉ से ऊपर रखे। साथ ही, एनसीपीसीआर जैसी संस्थाओं को न्यायपालिका में सीधे जाने का अधिकार दिया जाए। भारत को यह संदेश स्पष्ट रूप से देना होगा कि बच्चियों की सुरक्षा, शिक्षा और गरिमा ही असली राष्ट्र धर्म है। कोई भी परंपरा, पर्सनल लॉ या सामाजिक प्रथा बच्चियों के अधिकारों से ऊपर नहीं हो सकती।

कम उम्र में विवाह केवल एक लड़की का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र का भविष्य बर्बाद करता है। वह बच्ची, जो कल वैज्ञानिक, चिकित्सक, नेता या शिक्षक बन सकती थी, असमय विवाह के कारण अपने सपनों और प्रतिभा से वंचित हो जाती है। यदि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनना है तो हर बच्ची को 18 वर्ष तक सुरक्षित, शिक्षित और स्वतंत्र भविष्य गढ़ने का अवसर देना होगा। यही संविधान की आत्मा है, यही सभ्यता का मर्म है और यही राष्ट्र की प्रगति का वास्तविक मार्ग भी है।

बिहार की कानून व्यवस्था और 243 सीटों को लेकर चिराग पासवान के बोल- सिर्फ बयान या भविष्य की राजनीति का संकेत ?

संतोष कुमार पाठक

चिराग पासवान के विरोधाभासी बयानों ने बिहार की राजनीति को उलझा दिया है। जरा उनके और उनके बहनोई एवं लोकसभा सांसद अरुण भारती के कुछ बयानों पर नजर डालिए। एक तरफ जहां चिराग कह रहे हैं कि बिहार में मुख्यमंत्री की कुर्सी खाली नहीं है तो दूसरी तरफ वह खुद विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुके हैं।

बिहार में राजद नेता तेजस्वी यादव से लेकर विपक्षी गठबंधन में शामिल तमाम राजनीतिक दल राज्य की कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर नीतीश कुमार की सरकार पर जमकर निशाना साध रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ बिहार की जनता को लालू यादव-राबड़ी देवी के जंगलराज की लगातार याद दिला रहे जेडीयू और भाजपा के नेता सरकार के पक्ष में तर्क दे रहे हैं।

लेकिन एनडीए गठबंधन में शामिल और केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में मंत्री चिराग पासवान के बयान ने एनडीए गठबंधन में खासकर जेडीयू नेताओं में खलबली मचा दी है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के मुखिया एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बिहार की राजधानी पटना के पॉश इलाके में एक बड़े कारोबारी गोपाल खेमका की हत्या को लेकर अपनी ही गठबंधन सरकार पर जमकर निशाना साधा है। चिराग पासवान ने बहुत ही तल्ख अंदाज में इस हत्या को चिंताजनक बताते हुए कहा कि यह हत्याकांड इस बात का संकेत है कि बिहार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। चिराग की पार्टी ने उनके बयान के वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर भी किया। चिराग ने नीतीश सरकार पर सीधा-सीधा हमला बोलते हुए कहा, ÷ जिस तरह से बिहार में अपराध बढ़ा है और कानून-व्यवस्था जिस तरह से ध्वस्त हुई है, यह चिंता का विषय है। मैं केवल एक व्यापारी की हत्या को लेकर नहीं कह रहा हूं हालांकि यह भी चिंता का विषय है क्योंकि ऐसी जगह पर यह घटना घटी है जो पटना का एक पॉश इलाका है। 100 मीटर की दूरी पर जहां थाना है और अधिकारियों के घर हैं। यदि यहां पर ऐसी घटना घट रही है तो सोचिए गांव-देहात में क्या हो रहा होगा? अगर बिहार में एक भी हत्या होती है तो सरकार और प्रशासन के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। कहां चूक हुई है, इसे हमें सुधारना होगा और कड़ी से कड़ी कार्रवाई करके हमें एक उदाहरण देना होगा ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं ना घटे।÷ चिराग पासवान का यह बयान विपक्षी नेताओं के बयानों को और ज्यादा मजबूती देता हुआ नजर आता है कि लालू-राबड़ी के जंगलराज की बात करने वाले नीतीश कुमार बिहार की कानून व्यवस्था को नहीं संभाल पा रहे हैं,अपराधी बेखौफ हो चुके हैं और सुशासन पूरी तरह से ध्वस्त हो चुका है।

ऐसे में सबसे बड़ा सवाल तो यही खड़ा हो रहा है कि आखिर केंद्र सरकार में मंत्री चिराग पासवान के बयान के मायने क्या है? वह चाहते क्या हैं? यह कोई पहला मौका नहीं है जब चिराग पासवान ने अपने बयान से बिहार की नीतीश सरकार के लिए असहज स्थिति पैदा की हो। इससे पहले भी वो लगातार कई मौकों पर बिहार की कानून व्यवस्था को ध्वस्त बता चुके हैं।

बिहार में इसी वर्ष अक्टूबर-नवंबर में होने वाले संभावित विधानसभा चुनाव को लेकर भी चिराग पासवान ने एनडीए गठबंधन के सामने दुविधा की स्थिति पैदा कर रखी है। एक तरफ वह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आधिकारिक आवास पर सीट बंटवारे को लेकर हुई बैठक में शामिल होते हैं, लगातार एनडीए गठबंधन को चुनाव में विजयी बनाने की बात करते हैं, बिहार में मुख्यमंत्री की कुर्सी खाली नहीं होने की बात कहते हैं तो वहीं दूसरी तरफ बिहार की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा करते हैं।

चिराग पासवान के विरोधाभासी बयानों ने बिहार की राजनीति को उलझा दिया है। जरा उनके और उनके बहनोई एवं लोकसभा सांसद अरुण भारती के कुछ बयानों पर नजर डालिए। एक तरफ जहां चिराग कह रहे हैं कि बिहार में मुख्यमंत्री की कुर्सी खाली नहीं है तो दूसरी तरफ वह खुद विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुके हैं। इतना ही नहीं वह बिहार को विकसित बिहार बनाने के लिए बिहार जाने की बात कर रहे हैं। छपरा में एक बार फिर उन्होंने विधानसभा चुनाव लड़ने की बात को दोहराते हुए कहा कि, ÷आज सारण की इस पावन धरती से, आप सबके सामने मैं यह कहकर जा रहा हूं कि हां, मैं चुनाव लड़ूंगा। मैं चुनाव लड़ूंगा बिहारियों के लिए, अपने भाइयों के लिए, अपनी माताओं के लिए, अपनी बहनों के लिए और बिहार में एक ऐसी व्यवस्था तैयार करेंगे, एक ऐसा बिहार बनाएंगे जो सही मायनों में प्रदेश को विकास की राह पर आगे ले जाएगा।÷ इससे पहले उनके बहनोई एवं लोकसभा सांसद अरुण भारती एक वीडियो जारी कर चिराग पासवान के शाहाबाद क्षेत्र से चुनाव लड़ने का संकेत दे चुके हैं। अरुण भारती को चिराग पासवान ने पार्टी का चीफ व्हिप भी बनाया हुआ है और वह लगातार यह भी बयान दे रहे हैं कि बिहार चिराग पासवान को बुला रहा है। ऐसे में सवाल यह खड़ा हो रहा है कि अगर बिहार एनडीए गठबंधन में शामिल चिराग पासवान को बुला रहा है (बकौल लोजपा नेता) तो फिर नीतीश कुमार कहां जाएंगे ? और अगर बिहार में मुख्यमंत्री की कुर्सी खाली नहीं है (जैसा कि चिराग पासवान ने स्वयं कई बार कहा है) तो क्या वह केंद्र की मोदी सरकार में मंत्री का पद और सांसदी सिर्फ एक विधायक बनने के लिए छोड़ेंगे? उनकी पार्टी को एनडीए गठबंधन में किसी भी सूरत में 30 से ज्यादा सीटें नहीं मिलने वाली है, यह जानने के बावजूद एक तरफ जहां चिराग पासवान बिहार की सभी 243 सीटों पर लड़ने का दावा कर रहे हैं तो साथ ही एनडीए गठबंधन को जीत दिलाने की भी बात कह रहे हैं।

साफ जाहिर हो रहा है कि चिराग पासवान बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर या तो स्वयं कंफ्यूज हैं या फिर अंतिम समय तक बीजेपी और जेडीयू को दुविधा में रखना चाहते हैं। क्योंकि अगर गठबंधन में सिर्फ ज्यादा से ज्यादा सीटें हासिल करने के लिए वह इस तरह का विरोधाभासी बयान दे रहे हैं तो फिर लॉन्ग टर्म में इसका खामियाजा उन्हें ही उठाना पड़ सकता है। लेकिन चिराग ने अपने बयानों से बिहार में ऐसे हालात जरूर पैदा कर दिए हैं कि उनके सहयोगी उन्हें शंका और विरोधी उम्मीद की नजरों से देख रहे हैं।

कोई माने या ना माने, कांग्रेस का दिल तो मुसलमानों के लिए धड़कता है !

अरशद मदनी ने यह बयान किसी सामान्य मौके पर नहीं, बल्कि एक सभा में दिया। उनका यह दावा केवल अतीत का किस्सा नहीं बल्कि वर्तमान की राजनीति पर भी तीखा प्रहार है। भाजपा ने इसे हाथोंहाथ लिया और कांग्रेस पर एक बार फिर मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप लगाया है। वहीं, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने इस बयान का जवाब उसी तेवर में दिया, जिसके लिए वे जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी पहले ही उन्हें धमकी दे चुके थे और अब मदनी ने चेतावनी दी है। 'जितनी ज्यादा धमकी दोगे, उतना ही ज्यादा असम के लोग उठ खड़े होंगे और मुकाबला करेंगे।'

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

असम की राजनीति में अचानक एक 'लेटर बम' फूटा है। जमीयत-उलेमा-ए-हिंद (ए) के प्रमुख अरशद मदनी ने दावा किया कि उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को एक चिट्ठी लिखी थी। उस चिट्ठी में उन्होंने साफ आग्रह किया था कि हिमंता बिस्वा सरमा को कांग्रेस से टिकट न दिया जाए, क्योंकि वे ÷आरएसएस मानसिकता वाले÷ हैं और असम में आग लगाने का काम कर सकते हैं। वस्तुतः अब इस बयान को सुनते ही राजनीति गरमा उठी है। दरअसल, मदनी के इस कथन ने सीधे-सीधे कांग्रेस की टिकट वितरण प्रक्रिया पर सवाल खड़ा कर दिया। क्या कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल का टिकट इस तरह धार्मिक संगठनों या मौलवियों की सिफारिशों पर निर्भर करता है? और अगर ऐसा है तो कांग्रेस में मेहनत कर रहे हिंदू कार्यकर्ताओं की स्थिति क्या होगी? ये प्रश्न अचानक पूरे देश की बहस का हिस्सा बन गया है।

अरशद मदनी ने यह बयान किसी सामान्य मौके पर नहीं, बल्कि एक सभा में दिया। उनका यह दावा केवल अतीत का किस्सा नहीं बल्कि वर्तमान की राजनीति पर भी तीखा प्रहार है। भाजपा ने इसे हाथोंहाथ लिया और कांग्रेस पर एक बार फिर मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप लगाया है। वहीं, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने इस बयान का जवाब उसी तेवर में दिया, जिसके लिए वे जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी पहले ही उन्हें धमकी दे चुके थे और अब मदनी ने चेतावनी दी है। ÷जितनी ज्यादा धमकी दोगे, उतना ही ज्यादा असम के लोग उठ खड़े होंगे और मुकाबला करेंगे।÷ सरमा ने साफ कहा कि वे अवैध रूप से बसे लोगों को बेदखल करना जारी रखेंगे और मूल निवासियों के भूमि अधिकार सुरक्षित करेंगे। उन्होंने मदनी और राहुल गांधी दोनों को असम के लोगों से लड़ने की चुनौती दी और ऐलान किया कि ÷हम उन्हें हरा देंगे।÷

असल में मदनी का यह बयान उस पृष्ठभूमि में आया है जब असम में बेदखली अभियानों पर जमीयत और भाजपा सरकार आमने-सामने हैं। पिछले कुछ महीनों में गोलपाड़ा, धुबरी और नलबाड़ी जिलों में हजारों परिवारों को बेदखल

किया गया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक लगभग 8,000 से ज्यादा परिवार प्रभावित हुए हैं। जमीयत का दावा है कि 50,000 से ज्यादा लोग बेघर हो गए। जमीयत ने राष्ट्रपति और उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश तक को पत्र लिखकर इस अभियान को रोकने की मांग की है। यहां तक कि जमीयत ने प्रभावित परिवारों के लिए अस्थायी आश्रय भी लगाए और राहत सामग्री भी बांटी।

असम सरकार का तर्क है कि ये अभियान अवैध कब्जों को हटाने और मूल निवासियों के अधिकार सुरक्षित करने के लिए हैं। मुख्यमंत्री सरमा का कहना है कि बांग्लादेश से आए अवैध घुसपैठिये जमीन पर कब्जा कर रहे हैं और असम की अस्मिता के लिए यह खतरा है। यही कारण है कि वे इसे किसी भी कीमत पर रोकने के पक्ष में नहीं हैं। जमीयत और सरमा सरकार की यह भिड़ंत केवल बेदखली तक सीमित नहीं रही। अरशद मदनी ने जब बेदखली अभियानों की तुलना गाजा से की, तो भाजपा ने उनके खिलाफ गिरफ्तारी तक की मांग कर डाली। भाजपा का कहना था कि इस तरह का बयान असमिया जनता की भावनाओं को आहत करता है। सरमा ने भी मदनी और उनके गुटों को "irrelevant" करार देते हुए कहा कि असम की राजनीति इन्हीं पुराने मजहबी संगठनों की दया पर नहीं चल सकती।

यही नहीं, असम की जमीन और पहचान पर हाल में कई विवादास्पद बयान आए। महिला अधिकार कार्यकर्ता और पूर्व योजना आयोग सदस्य सैयदा हामीद ने कहा कि ÷सारी जमीन अल्लाह की है।÷ इस पर सरमा ने कड़ी प्रतिक्रिया जताई और इसे राष्ट्रविरोधी मानसिकता बताया। उन्होंने कहा कि यह अवैध प्रवासियों को वैध ठहराने की कोशिश है। उधर, ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) ने भी अवैध प्रवास और सीएए-एनआरसी जैसे मुद्दों को लेकर बड़ा आंदोलन खड़ा करने की घोषणा की है। उन्होंने भूख हड़ताल, मशाल जुलूस और मानव श्रृंखला जैसे कार्यक्रमों की घोषणा की है। यह संकेत है कि असम में जमीन, पहचान और नागरिकता का सवाल चुनावी राजनीति से कहीं ज्यादा गहराई से समाज की नसों में बैठा हुआ है।

इस पूरे प्रकरण का एक बड़ा राजनीतिक अर्थ यह है कि कांग्रेस की छवि एक बार फिर ÷मुस्लिम तुष्टिकरण÷ वाली पार्टी के रूप में सामने आई है। मदनी ने जो बोला है उससे तो आज यही समझ आता है कि कांग्रेस का टिकट वितरण मौलवियों और मजहबी नेताओं की इच्छा पर निर्भर है। निश्चित ही यह कांग्रेस के लिए ही नहीं स्वस्थ लोकतंत्र के लिए भी खतरे की घंटी है। यदि कांग्रेस सचमुच किसी मौलाना के दबाव में टिकट देती है, तो यह पार्टी के भीतर लोकतंत्र पर उठता बड़ा सवाल है। कांग्रेस के हिंदू कार्यकर्ताओं को यह संदेश जाता है कि उनकी वर्षों की मेहनत, संघर्ष और निष्ठा का कोई महत्व नहीं, क्योंकि अंततः टिकट का फैसला किसी बाहरी मजहबी संगठन की सिफारिश से तय होता है।

यहां यह याद रखना जरूरी है कि हिमंता बिस्वा सरमा खुद कभी कांग्रेस में थे। 2014 में उन्होंने तरुण गोगोई से मतभेदों के चलते पार्टी छोड़ी और 2015 में भाजपा में शामिल हुए। 2016 में वे फिर से विधानसभा पहुंचे और सर्बानंद सोनोवाल की सरकार में मंत्री बने। 2021 में वे असम के मुख्यमंत्री बने। यानी कांग्रेस ने एक ऐसे नेता को गंवा दिया, जो आज भाजपा की राजनीति का सबसे ताकतवर चेहरा है। अगर मदनी की चिट्ठी और दबाव ने वाकई सरमा की टिकट पर असर डाला था, तो कांग्रेस का नुकसान कितना बड़ा हुआ, यह आज साफ दिखता है। इस परिदृश्य का निचोड़ यही है कि अरशद मदनी का बयान कांग्रेस के लिए केवल एक विवादित वक्तव्य नहीं, बल्कि पार्टी की कार्यप्रणाली पर गहरी चोट है। यह सवाल खड़ा करता है कि क्या कांग्रेस के टिकट वास्तव में लोकतांत्रिक प्रक्रिया से तय होते हैं या फिर बाहरी धार्मिक संगठनों की पसंद-नापसंद से? अगर कांग्रेस इस पर स्पष्ट और ठोस जवाब नहीं देती, तो यह स्पष्ट है कि कांग्रेस पर लगने वाले तमाम तुष्टीकरण के आरोप सच ही हैं।

असम जैसे संवेदनशील राज्य में, जहां अवैध प्रवास, नागरिकता और भूमि का मुद्दा दशकों से राजनीति का केंद्र रहा है, वहां कांग्रेस का यह कमजोर पड़ता रुख बता रहा है कि आज यहां जो इस तरह की समस्याएं हैं, इन सभी का जिम्मेदार यदि कोई है तो वह कांग्रेस ही है। फिलहाल तो यही समझ आ रहा है कि अरशद मदनी के 'लेटर बम' ने कांग्रेस की असल सच्चाई सामने लाकर रख दी है। बहुसंख्यक हिन्दू समाज के दम पर सत्ता में आने वाली कांग्रेस का दिल मुसलमानों के लिए धड़कता है, कहना होगा कि एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए कहीं से भी यह अच्छी स्थि?ति नहीं है।

सार समाचार

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा ढांचे को सुदृढ़ बनाना सर्वोच्च प्राथमिकता

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रदेशवासियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना और चिकित्सा शिक्षा के ढांचे को सुदृढ़ बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उप मुख्यमंत्री ने मंत्रालय भोपाल में चिकित्सकीय मैनपॉवर भर्ती प्रक्रिया, अधोसंरचना विकास कार्यों और नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरे हों जिससे जनता को समय पर सुविधाएं और युवाओं को रोजगार एवं शिक्षा के अवसर मिल सकें। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती, उन्हें उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं एवं मानदेय से संबंधित विषयों पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने नर्सिंग ऑफिसर भर्ती के लिए नियमों में संशोधन की चल रही प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने अंतर्विभागीय समन्वय और आवश्यक औपचारिकताओं को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रक्रिया 15 सितम्बर तक पूरी कर शीघ्र भर्ती की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने एएनएम काउंसलिंग, फार्मासिस्ट नियुक्ति परीक्षा और हॉस्पिटल असिस्टेंट भर्ती की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की और समयबद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए। चिन्हित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में आउटसोर्सिंग के माध्यम से एफआरयू संचालन की कार्यवाही की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि मरीजों को मानक अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

भर्ती परीक्षाओं में जीवित रोजगार पंजीयन अनिवार्य

भोपाल। मप्र में आगामी तीन वर्षों में ढाई लाख से अधिक कार्यरत पदों पर भर्तियां होनी हैं। इसमें किसी को भी जीवित रोजगार पंजीयन से छूट नहीं मिलेगी। इसकी अनिवार्यता बनी रहेगी। मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता वाली वरिष्ठ सचिव समिति मौजूदा व्यवस्था में परिवर्तन के पक्ष में नहीं है। दरअसल, यह व्यवस्था इसलिए बनाकर रखी जा रही है, ताकि प्रदेश के युवाओं को सरकारी नौकरियों में अधिक से अधिक अवसर मिल सके। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 30 लाख से अधिक आकांक्षी (पंजीकृत बेरोजगार) युवा हैं। ऐसे हाई कोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मामला पुलिस भर्ती में रोजगार पंजीयन की अनिवार्यता के कारण अन्य राज्यों के युवा अयोग्य हो गए थे। इन्होंने सरकार के नियम को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, जिस पर कोर्ट ने युवाओं को राहत देते हुए इस व्यवस्था को समान अवसर देने के अधिकार के विरुद्ध बताते हुए केवल प्रशासनिक औपचारिकता बताया था और कहा था कि इससे योग्यता का निर्धारण नहीं हो सकता है। हाईकोर्ट के इस आदेश को सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका लगाकर चुनौती दी थी, पर राहत नहीं मिली और व्यवस्था पर पुनर्विचार करने के निर्देश दिए गए। उधर, रोजगार पंजीयन की अनिवार्यता के मामले में निर्णय न होने के कारण भर्तियां अटक गई थीं। इसे देखते हुए सामान्य प्रशासन विभाग ने वरिष्ठ सचिव समिति के समक्ष पूरा प्रकरण रखा।

त्योहार, मेला और वीकेंड पर बरती जाएगी विशेष सतर्कता

भोपाल। महाकुंभ के दौरान नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में भगदड़ की घटना के बाद रेलवे ने भीड़ प्रबंधन की सतत अग्रिम योजना पर काम शुरू कर दिया है। अब मंडल स्तर पर प्रत्येक तीन माह में कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इसके लिए रेल मंडल अगले तीन सप्ताह तक त्योहार, मेला और वीकेंड पर नजर रख रहे है। उन्हें ध्यान में रखकर स्टेशन एवं ट्रेन में भीड़ का अनुमान लगाया जा रहा है। यात्रियों की अतिरिक्त संख्या की आवाजाही को सुगम और सुरक्षित बनाने के उपाय तय किए जा रहे है। इस अचानक उमडने वाली भीड़ नियंत्रण की रिपोर्ट को प्रत्येक रेल मंडल के लिए अनिवार्य कर दिया गया है। जिसे रेलवे बोर्ड को भी प्रेषित करना होगा। ताकि यात्री दबाव बढने से स्टेशन पर अराजकता की स्थिति निर्मित होने से रोका जा सकें। अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए विशेष ट्रेन, यात्री विश्राम स्थल के विस्तार सहित अन्य वैकल्पिक सुविधाओं को पहले ही सुनिश्चित कर लिया जाए।

क्राइम ब्रांच भोपाल टीम ने टीकमगढ़ में चल रही अवैध आर्म्स फैक्ट्री पर मारी रेड

भोपाल। भोपाल क्राइम ब्रांच ने टीकमगढ़ जिले के जतारा के रामगढ़ में अवैध हथियार बनाने की फैक्ट्री पर रेड मारते हुए इंटरस्टेट आर्म्स तस्करी गिरोह का पदार्फाश किया है। इसे आनंदी विश्वकर्मा नाम का व्यक्ति अपने दो बेटों और नाबालिग पोते के साथ मिलकर चला रहा था। यह फैक्ट्री दूर दराज एक वेयरहाउस को किराये पर लेकर चलाई जा रही थी। यहाँ तैयार किये गये जानलेवा हथियार मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के साथ ही अन्य राज्यों में सप्लाई करते थे। माल खपाने के लिये सात एजेंट बना रखे थे। क्राइम ब्रांच की टीम ने फैक्ट्री से लेथ मशीन, वेल्डिंग मशीन, ड्रिल मशीनें, देसी पिस्टल और तीन अधूरी पिस्टल सहित कई कलपुर्जे जब्त किए हैं। अफसरो ने बताया कि वाहन चोरी और अवैध हथियारों के कारोबार से जुड़े तीन आरोपियों को भोपाल के निशातपुरा से हिरासत में लिया था। इनके कब्जे से तीन वाहन बरामद किए गए, जिन्हें हनुमानगंज थाने के सुपुर्द किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि मुख्तार खान हथियारों की अवैध सप्लाई में शामिल है। बीते दिनो मुख्तार खॉन को पिस्टल सहित दबोचा गया। मुख्तार खान ने पुलिस पूछताछ में बताया कि पिस्टल उसे सुरेंद्र विश्वकर्मा से मिली थी। सुरेंद्र ने टीकमगढ़ में अवैध हथियार फैक्ट्री लगा रखी थी।

दादा-बेटा और पोता चला रहे थे अवैध हथियार फैक्ट्री

भोपाल क्राइम ब्रांच पुलिस ने टीकमगढ़ में छापा मारा

भोपाल। भोपाल क्राइम ब्रांच ने टीकमगढ़ के जतारा में दादा, बेटा और नाबालिग पोते द्वारा संचालित दो अवैध हथियार फैक्ट्री का खुलासा किया। फैक्ट्री दूरस्थ वेयरहाउस में लगाई गई थी, आरोपी सुरेंद्र और परिवार ने हथियारों का निर्माण स्थानीय स्तर पर करते हुए प्रदेश के बाहर, विशेषकर उत्तर प्रदेश में सप्लाई की। टीम ने फैक्ट्री से लेथ, वेल्डिंग, ड्रिल मशीनें, देसी पिस्टल और तीन अधूरी पिस्टल सहित कई कलपुर्जे जब्त किए। क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि कुछ शातिर अपराधी वाहन चोरी एवं अवैध हथियारों से जुड़े हुए हैं और निशातपुरा क्षेत्र में निवास कर रहे हैं। सूचना के आधार पर टीम ने दबिश दी और तीन संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लिया। इनके कब्जे से

तीन वाहन बरामद किए गए, जिन्हें हनुमानगंज थाने के सुपुर्द किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि मुख्तार खान हथियारों की अवैध सप्लाई में शामिल है। उसे हिरासत में लेकर तलाशी ली गई, जिसमें उसके पास से पिस्टल बरामद हुई। इस मामले में आरोपी मुख्तार खान, सुरेंद्र विश्वकर्मा, सैफ अली उर्फ रिंकू, मुमताज अली और आनंदी विश्वकर्मा शामिल हैं, जबकि फरार आरोपी नरेन्द्र प्रताप सिंह परमार है। लेथ मशीनें, वेल्डिंग मशीन, ड्रिल मशीन, मिलिंग मशीन, ब्लेंडर मोटर, देसी पिस्टल, तीन अधूरी पिस्टल, बैरल, लोहे के फ्रेम, ट्रिगर, स्लाइडर, कारतूस, मैगजीन, बट की लकड़ी और अन्य कलपुर्जे जब्त किए गए हैं। कृषि उपकरण निर्माण के नाम पर हथियार मुख्तार खान ने खुलासा किया कि पिस्टल उसे सुरेंद्र विश्वकर्मा से मिली थी। सुरेंद्र ने टीकमगढ़ में एक उन्नत स्तर की अवैध हथियार फैक्ट्री स्थापित की। जांच में यह सामने आया कि सुरेंद्र और उनका परिवार वर्षों से अवैध शस्त्र निर्माण में संलिप्त रहा है।

वेयरहाउस का इस्तेमाल किया

सुरेंद्र ने हथियार बनाने के लिए उन्नत मशीनों और उपकरणों के साथ फैक्ट्री स्थापित की। पहले केवल कलपुर्जे बाहर से लाकर असेंबल किए जाते थे, लेकिन अब सभी कलपुर्जे स्थानीय स्तर पर बनाए जा रहे थे। इसके लिए विशेष मशीनें और उपकरण बड़े निवेश के साथ लगाए गए। फैक्ट्री को छुपाने के लिए दूरस्थ वेयरहाउस का इस्तेमाल किया गया। सुरेंद्र ने अपने परिचित को पार्टनर बनाया और उसे 20,000/- प्रति माह किराया दिया। निर्माण का काम परिवार के सदस्य करते थे, जबकि ग्राहक संपर्क और वितरण कुछ सहयोगियों के माध्यम से किया जाता था।

प्रदेश के बाहर हथियारों को बेचा

सुरेंद्र और परिवार ने हथियारों की बिक्री मध्यप्रदेश के बाहर, विशेषकर उत्तर प्रदेश में की। ग्राहक थोक स्तर पर हथियार खरीदते थे। निर्माण के सभी कलपुर्जे स्थानीय रूप से तैयार किए जाते थे, जिससे लागत कम और संदेह की संभावना न्यून रहती थी। बिक्री और वितरण का कार्य गोपनीय तरीके से किया जाता था। सुरेंद्र विश्वकर्मा पूर्व में लूट के प्रकरण में 7 वर्ष की सजा काट चुका है।

सूर्योदय से सूर्यास्त तक हो समय की गणना

मुख्यमंत्री निवास पर वैदिक घड़ी का लोकार्पण, सीएम बोले....

भोपाल। मुख्यमंत्री निवास के नवनिर्मित प्रवेश द्वार पर स्थापित की गई विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का सोमवार को सीएम डॉ. मोहन यादव ने अनावरण किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विक्रमादित्य वैदिक घड़ी से जुड़े मोबाइल ऐप का भी लोकार्पण किया। कार्यक्रम में मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि अगर हम मंत्रियों को एक-एक घड़ी भेंट कर दी जाए तो हम भी अपने घरों में इसे स्थापित कर सकें। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारे सभी त्योहार अंग्रेजी तिथियों के आधार पर नहीं आते। वर्ष की गणना भी तिथियों और छह ऋतुओं के आधार पर की गई है। इसलिए समय की गणना सूर्योदय से सूर्योदय तक होनी चाहिए। रात 12 बजे दिन बदलने का कोई औचित्य नहीं है। हमारी प्राचीन गणना पद्धति में 60 सेकेंड का मिनट नहीं, बल्कि 30 घंटे में 30 मुहूर्त माने जाते हैं। यह कोई बंधन नहीं, बल्कि हमारी सनातन संस्कृति की धरोहर और विचार का विषय है। इस मौके पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल, मंत्री कृष्णा गौर, विधायक रामेश्वर शर्मा और विष्णु खत्री मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि अतीत के इतिहास में खगोल विज्ञान को सूर्य की छाया से समझा जाता था। भारत का सेंटर पॉइंट उज्जैन माना गया है, लेकिन यह भी समय के साथ दोलायमान हुआ और 32 किमी दूर डोंगला तक पहुंचा। भगवान श्रीकृष्ण भी समय गणना का केंद्र खोजने डोंगला के पास नारायणा गांव आए थे, जहां उनके साथ बलराम और सुदामा भी मौजूद थे। सीएम ने आगे कहा कि 10 हजार साल पहले सूर्यग्रहण और चंद्रग्रहण कब हुआ था, इसकी गणना आज का कंप्यूटर भी नहीं कर पाएगा, लेकिन हमारी वैदिक काल गणना तुरंत सटीक जवाब देती है। सावन के महीने में छाता लेकर चलने की परंपरा भी इसी अनुभवजन्य गणना का परिणाम है। उन्होंने कहा कि ग्रह, नक्षत्र और तिथियों के आधार पर जीवन के सभी निर्णय तय किए जाते थे।

अब पूर्व का समय आया

मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम का समय जब तक था, तब तक था। अब पूर्व का समय आया है। दुनिया में भारत की अच्छाइयों को लेकर जाने का यही समय सही समय है। 2014 में सरकार बनाने के 6 महीने में ही पीएम मोदी ने दुनिया मे योग को पुर्नस्थापित करने का काम किया। भारत का ज्ञान कौशल समूची मानवता के लिए है। ये घड़ी भारत की हलचल दुनिया को दिखा रही है। सबकी गति अलग- अलग है लेकिन हमारी ज्ञानगंगा की धारा और आगे तक जाए। हम सब इस घड़ी का उपयोग करते हुए इसकी चर्चा करेंगे। सीएम ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों से कहा- मोबाइल ऊपर करके क्यूआर कोड से घड़ी डाउनलोड करो। सीएम ने सबके मोबाइल की टॉर्च ऑन करवाई।

भारत के समय की नई परिभाषा लिखी जा रही

इस दौरान भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि आज से भारत के समय की नई परिभाषा लिखी जा रही है। उन्होंने कहा कि जब हम मां की कोख में आते हैं तो ईश्वर प्रारब्ध पहले ही लिख देता है। मुख्यमंत्री जी ने वैदिक घड़ी लगवाकर वास्तव में भारत के समय की पुनर्स्थापना का ऐतिहासिक कदम उठाया है। हम सौभाग्यशाली हैं कि हमारा जन्म हिंदू संस्कृति में हुआ है। यह घड़ी हमें काल गणना की वैदिक परंपरा से जोड़ेगी और भारत को सोने की चिडि ?ा बनने की दिशा में आगे बढ़ाएगी।

मुख्यमंत्री निवास विरासत का साक्षी बन रहा

मंत्री कृष्णा गौर ने कहा कि आज हमारा मुख्यमंत्री निवास विरासत और विकास का साक्षी बन रहा है। इस घड़ी के माध्यम से हमें अपना स्वाभिमान लौटा है। मैं युवाओं से कहना चाहती हूं कि भविष्य आपके कंधों पर टिका है। मध्यप्रदेश के युवा दुनियाभर में नाम रोशन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री का संबल आपके साथ है और मुझे विश्वास है कि आप आगे बढकर प्रदेश और देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे।

श्री हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष बने चंद्रशेखर तिवारी

भोपाल। राजधानी की सबसे प्रभावशाली धार्मिक-सामाजिक संस्था श्री हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष पद के चुनाव में रविवार को भारी उत्साह देखने को मिला। रविवार सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक चले मतदान में 5600 से अधिक आजीवन सदस्यों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। गुफा मंदिर, लालघाटी स्थित मानस भवन परिसर दिनभर राजनीतिक गहमागहमी और समर्थकों के नारों से गूंजता रहा। मतगणना देर रात तक चली और अंततः चंद्रशेखर तिवारी ने निर्णायक बढ़त बनाते हुए 1679 मत प्राप्त कर अध्यक्ष पद अपने नाम किया। वहीं, नारायण सिंह कुशवाह 1282 मतों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। कैलाश बेगवानी को 1173, हेमंत कुशवाह को 886 और दीपेश श्रीवास्तव को 596 मत मिले। मतदान में रही कड़ी व्यवस्थाएं चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी डॉ. पी.सी. कोठारी की देखरेख में कड़ी व्यवस्थाएं की गईं। मतदान के लिए सदस्यता कार्ड, आधार कार्ड अथवा फोटोयुक्त मतदाता पहचान पत्र अनिवार्य रखा गया। इस बीच प्रत्याशी हेमंत कुशवाह की पत्नी का वोट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा डाले जाने को लेकर विवाद भी हुआ। मौके पर हेमंत समर्थकों ने हंगामा किया, लेकिन पुलिस और चुनाव समिति की समझाइश के बाद मामला शांत हो गया। बाद में समिति ने टेंडर वोट की व्यवस्था कराई। राजधानी में प्रतिष्ठित चुनाव को लेकर लंबे समय से उत्सुकता थी। मतदान में बड़ी संख्या में सदस्य पहुंचे और माहौल त्योहार जैसा रहा। देर रात आए नतीजों के बाद कहीं उत्साह तो कहीं निराशा देखने को मिली।

जेपी अस्पताल से हटाए गए 21 कर्मचारी

भोपाल। भोपाल में कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने जेपी अस्पताल से हटाए गए रोगी कल्याण समिति (आरकेएस) के 21 कर्मचारियों की बहाली की मांग की है। इसके लिए उन्होंने अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. राकेश श्रीवास्तव को ज्ञापन सौंपकर जिला कलेक्टर को कार्रवाई के लिए अवगत कराने का आग्रह किया। हटाए गए कर्मचारियों का कहना है कि साल 1995 में हर जिला अस्पताल में रोगी कल्याण समिति का गठन किया था। समिति का उद्देश्य मामूली शुल्क लेकर अस्पताल की छोटी-छोटी जरूरतों, उपकरणों और आवश्यक सेवाओं की पूर्ति करना था। समिति में जिले के जनप्रतिनिधि सदस्य रहते थे और जिला कलेक्टर इसके अध्यक्ष होते थे। हर माह बैठक आयोजित होती थी, लेकिन बीते कई सालों में यब बैठकें कम हो गईं। जिसमें अस्पताल की समस्याओं और रोगियों की जरूरतों का समाधान होने में समस्याएं आईं। इसके बाद अस्पताल का ज्यादा तर काम निजी एजेंसी को सौंपना शुरू कर दिया है। जेपी अस्पताल में इस समिति के 21 कर्मचारी कार्यरत थे। जिनमें कम्प्यूटर ऑपरेटर, टिकट राइटर, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन और डेंटल असिस्टेंट शामिल थे। यह कदम असंवैधानिक कांग्रेस नेता पीसी शर्मा ने कहा कि समिति को अचानक भंग कर दिया गया और 21 कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया गया। उन्होंने इसे असंवैधानिक कदम बताते हुए तत्काल समिति को पुनर्जीवित करने और हटाए गए कर्मचारियों को उनके कार्य पर वापस लेने की मांग की है।

प्रेमपुरा घाट पर गणपति विसर्जन बनेगा चुनौती

भोपाल। राजधानी में इस बार गणपति विसर्जन के उत्सव में मेट्रो परियोजना की बैरिकेडिंग ने समस्या खड़ी कर दी है। हर साल की तरह इस बार भी शहर भर के गणेश भक्त अपने-अपने गली-मोहल्लों में सजी झांकियों से गणपति की मूर्तियों को प्रेमपुरा घाट तक विसर्जन के लिए लेकर जाएंगे। लेकिन इस बार मेट्रो परियोजना के कारण डिपो चौराहे से भदभदा चौराहे तक लगभग 1.8 किलोमीटर लंबी सडक पर बैरिकेडिंग लगने से रास्ता अत्यधिक संकरा हो गया है, जिससे विसर्जन के दौरान परेशानी खड़ी हो सकती है। मेट्रो की बैरिकेडिंग के कारण करीब 80 फीट चौड़ा रास्ता महज 30 फीट रह गया है। समस्या को भांपकर ट्रैफिक पुलिस ने मेट्रो परियोजना के एमडी को पत्र लिख बैरिकेर्डेंग के क्षेत्र को कम करने का आवेदन दिया है ताकि रास्ता चौड़ा हो सके। हालांकि अब तक मेट्रो एमडी की ओर से कोई जवाब नहीं मिला है। प्रेमपुरा घाट जाने के लिए डिपो चौराहे से भदभदा चौराहे तक करीब 1.8 किमी के रास्ते पर मेट्रो बैरिकेडिंग हुई है। सडक की चौड़ाई करीब 80 फीट है, लेकिन मेट्रो की वजह से दोनों ओर का रास्ता कुछ स्थानों पर सिमटकर 15 फीट तक रह गया है, जिससे न केवल सामान्य यातायात में रुकावट आ रही है, बल्कि गणेश मूर्तियों के विसर्जन के समय होने वाले जुलूस में शामिल झांकियों और डीजे के वाहनों को निकलने में भी दिक्कत होगी। 650 से अधिक मूर्तियों का विसर्जन गणेश विसर्जन के दौरान भारी संख्या में लोग एक साथ सडक पर होते हैं और इस संकीर्ण मार्ग पर भीड़ और वाहनों के दबाव को संभालना पुलिस के लिए चुनौती बन सकता है। बता दें भोपाल में इस बार एक हजार से ज्यादा गणेश पंडाल सजे हैं, जिनमें सबसे विशाल करीब 150 मूर्तियों का चल समारोह निकाला जाएगा, जिनका विसर्जन छोटे तालाब के रानीकमलापति घाट पर होगा। वहीं हथाईखेड़ा डैम और बैरागढ़ के विसर्जन कुंड में आसपास के क्षेत्रों की 200 से अधिक मूर्तियां विसर्जित की जाती हैं।

पार्किंग-ट्रैफिक की परेशानी से जूझ रहा पुराना भोपाल

जाम का प्रतीकात्मक फोटो लगा लें...

भोपाल। पार्किंग व ट्रैफिक की परेशानी से पुराना भोपाल जहां वर्षों से जूझ रहा है। वहीं दूसरी ओर इसके निदान के लिये हुई बैठकें भी समस्या का समाधान नहीं निकाल पाई है। जबकि बीते 5 वर्षों के दौरान इसके निराकरण लिये जिला व निगम प्रशासन के साथ क्षेत्र के व्यापारियों की लगातार बैठकें करते हैं। जिससे समस्या जस की तस बनी हुई है। इस कड़ी में बीते दिनों सांसद आलोक शर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक ने मामले को फिर गर्मा दिया है। क्योंकि कलेक्टर कार्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों और सराफा, किराना, दवा और कपड़ा बाजार के व्यापारी संघों के प्रतिनिधियों के साथ हुई समीक्षा बैठक भी परिणाम के अभाव में बेतनतीजा साबित हो रही है। जबकि इस बैठक में भी व्यावसायिक गतिविधियों को प्रभावित करने वाले विषय में पूर्व की तरह अव्यवस्थित पार्किंग और बिगड़ता ट्रैफिक जाम ही चर्चा में मुख्य मुद्दा रहा हैं।

तीन बाद भी नही हुई कर्रवाई

चौक बाजा के पास पार्किंग की जगह पर अवैध गैरेजों द्वारा अतिक्रमण किए हुए हैं, जिससे खरीदारों के लिए बहुत कम जगह बचती है। इस बैठक में सांसद ने निगम अधिकारियों को तुरंत अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इसके साथ ही नये शहर में बाजार विस्थापन के लिये स्मार्ट सिटी भूमि आवंटित करने का मुद्दा भी कार्ययोजना में नहीं आ पाया है।

दो साल पहले बन चुकी है समिति

2023 में तत्कालीन कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में इसके मद्देनजर एक समिति गठित की जा चुकी है। बताया जाता है कि इसको पार्किंग स्थल चिह्नांकन की साप्ताहिक समीक्षा करने का जिम्मा सौंपा गया था। जिला यातायात समिति के साथ समन्वय में काम करने का भी निर्णय लिया गया था, लेकिन यह समिति भी केवल कागजों में दबकर रह गई।

रोज पहुंचते हैं 25 हजार वाहन

एक जानकारी के अनुसार सामान्य दिनों में लगभग 20 से 25 हजार वाहन पुराने भोपाल के बाजार क्षेत्र में प्रवेश करते हैं। शनिवार-रविवार यह संख्या बढकर 35 से 40 हजार हो जाती है। त्योहार सहित अन्य अवसर विशेष में यह आंकड़ा 50 से 60 हजार बताया जाता है। जबकि इस क्षेत्र में कुल वाहनों का 20 प्रतिशत से अधिक यहां पार्क नहीं किए जा सकते हैं। हालांकि मोती मस्जिद के सामने और चटोरी गली, इब्राहिमपुरा के पास दो बड़ी पार्किंग सुविधा है, लेकिन आने वाले वाहनों के मुकाबले यह कम है।

अधर में पार्किंग का प्रस्ताव

जानकारी के मुताबिक वर्ष 2022 में भी इस क्षेत्र में चार नई पार्किंग निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया गया, लेकिन इसका क्रियांवयन नहीं हो पाया। यह कर्फ्यू वाली माता मंदिर ऑटो स्टैंड के पास महिलाओं के लिए पिंक पार्किंग जोन के साथ शीश महल और महिला सिलाई प्रशिक्षण केंद्र में पार्किंग के साथ एक व्यावसायिक परिसर के रूप में बनाई जानी थी।

बच्चे हो रहे बीमार, जेपी अस्पताल में बच्चा वार्ड फुल

तेज बुखार के साथ सांस लेने में तकलीफ, उल्टी-दस्त जैसे लक्षण

भोपाल। अचानक तेज बारिश, धूप और बादल मौसम के ये तीन रूप देखने को मिल रहे हैं। जैसे-जैसे मौसम में बदलाव हो रहा है वैसे-वैसे ही तीन वायरस सक्रिय हो रहे हैं। ये वायरस ज्यादातर बच्चों को प्रभावित कर रहे हैं। बच्चों में तेज बुखार, शरीर दर्द, उल्टी-दस्त जैसे लक्षण देखे जा रहे हैं। रविवार को जेपी अस्पताल और हमीदिया अस्पताल की शिशु रोग विभाग की इमरजेंसी में 119 बच्चे पहुंचे, जो औसतन रविवार को आने वाले बाल रोगियों की संख्या से तीन गुना अधिक हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इन वायरस से प्रभावित बच्चों को पूरी तरह रिकवर होने में 7-10 दिन का समय लग रहा है। बीते एक सप्ताह में एम्स, हमीदिया और

जेपी अस्पताल में 15 साल से कम आयु के 6 हजार से अधिक बच्चे ओपीडी में पहुंचे हैं। जेपी अस्पताल के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. पियूष पंचरत्न ने कहा कि कई परिजन मेडिकल स्टोर से मनमर्जी की दवा देकर बच्चों का इलाज करने की कोशिश करते हैं, जिससे स्थिति और बिगड़ सकती है। बच्चों को खुद से दवा न दें। 100 डिग्री से ऊपर बुखार होने पर केवल पैरासिटामॉल दी जा सकती है। यदि आराम न मिले तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। जेपी अस्पताल का बच्चा वार्ड पूरी तरह भर गया है। पीआईसीयू और एचडीयू में लगभग सभी बेड भरे थे। जिन्हें सांस लेने में तकलीफ थी, उन्हें भाप दी जा रही थी और उल्टी-दस्त के साथ भर्ती बच्चों को ड्रिप लगाई जा रही थी ताकि कमजोरी और डिहाइड्रेशन से बचाया जा सके।

सबसे ज्यादा बच्चों को आरएसवी प्रभावित कर रहा है

गांधी चिकित्सा महाविद्यालय में बाल्य एवं शिशु रोग विभाग के प्रोफेसर डॉ. राजेश टिक्कस ने बताया कि वायरल संक्रमण की शुरूआत लगभग एक माह पहले हुई थी, लेकिन बीते एक सप्ताह में यह कई गुना बढ़ गया है। सबसे ज्यादा बच्चे आरएसवी से प्रभावित हैं, इसके बाद हैंड-फुट-माउथ डिजीज और हेपेटाइटिस से पीड़ित बच्चे अस्पताल पहुंचे हैं। कुछ बच्चों में डेंगू के लक्षण भी देखे गए हैं। माता-पिता को सलाह दी जा रही है कि बच्चों में किसी भी लक्षण को नजरअंदाज न करें। बाहर के भोजन से बचें, ज्यादा से ज्यादा लिक्विड डाइट दें, सूती कपड़े पहनाएं और लक्षण दिखने पर स्कूल न भेजें। यदि बच्चे को 48 घंटे में आराम न मिले, तो डॉक्टर को जरूर दिखाएं।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान की अदालत ने इमरान खान के भांजे शाहरेज को भेजा जेल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के भांजे शाहरेज खान को नौ मई दंगों से जुड़े मामले में 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा है। शाहरेज पर सेना अधिकारी के घर पर हमले का आरोप है। उनका कहना है कि वे उस दिन चितरल में थे और यह राजनीतिक साजिश है। अदालत ने पुलिस की 30 दिन की रिमांड की मांग ठुकरा दी। मानवाधिकार संगठनों ने गिरफ्तारी को राजनीतिक प्रतिशोध बताया है।

डिमेंशिया से पीड़ित राल्फ लेरॉय मेंज़ीज़ की फायरिंग स्क्वाड से होने वाली फांसी पर लगी रोक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के यूटा में सुप्रीम कोर्ट ने डिमेंशिया से पीड़ित राल्फ लेरॉय मेंज़ीज़ की फायरिंग स्क्वाड से होने वाली फांसी पर रोक लगा दी है। 67 वर्षीय मेंज़ीज़ को 1986 में मौरीन हंसाकर की हत्या के लिए 5 सितंबर को फांसी दी जानी थी। उनके वकीलों ने तर्क दिया कि मेंज़ीज़ डिमेंशिया के कारण अपनी सजा को समझने में असमर्थ हैं और शारीरिक रूप से भी बेहद कमजोर हैं। 2019 में, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने भी मानसिक बीमारी से पीड़ित दोषियों की फांसी को अमानवीय बताते हुए रोका था। हंसाकर का शव अगवा होने के दो दिन बाद एक जंगल में मिला था।

90 फीसदी से अधिक अफगान लड़कियों की शिक्षा के समर्थक

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के एक सर्वे में खुलासा हुआ है कि 90 फीसदी से अधिक अफगान लोग लड़कियों की शिक्षा का समर्थन करते हैं, जबकि तालिबान अब भी माध्यमिक और उच्च शिक्षा पर प्रतिबंध लगाए हुए है। रिपोर्ट 2,000 लोगों की राय पर आधारित है। यूएन महिला विभाग की सोफिया कॉलटॉर्प ने कहा कि अफगान परिवार अपनी बेटियों की पढ़ाई को लेकर दृढ़ हैं, पर प्रतिबंध मानसिक और स्वास्थ्य संकट बढ़ा रहे हैं। 97 फीसदी महिलाओं ने रोजगार प्रतिबंधों को विनाशकारी बताया। डब्ल्यूएचओ ने चेताया कि 22 मिलियन लोग मदद के मोहताज हैं, लेकिन जरूरी फंडिंग का केवल 24फीसदी ही मिला है।

कॉमिक-कॉन अफ्रीका : अंतरराष्ट्रीय सितारों के बीच कॉमिक बुक प्रेमी और कॉस्प्लेयर

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में छठे कॉमिक-कॉन अफ्रीका का आयोजन हुआ। यहां हजारों कॉमिक बुक प्रेमी और कॉस्प्लेयर पहुंचे। चार दिवसीय उत्सव के दौरान एनीमे, गेमिंग, कॉमिक्स और कॉस्प्ले से जुड़ी चीजों को प्रदर्शित किया गया। इसमें आर्केड गेम्स, ई-स्पोर्ट्स और कॉस्टयूम जैसी प्रतियोगिताएं भी शामिल रहीं। आयोजन निदेशक कार्ला मासमैन के अनुसार, रविवार तक 70,000 दर्शक पहुंचे। विविधता और एकता के प्रतीक इस आयोजन में जेसी टी. अशर, डैन फोगलर और मिशा कॉलिन्स जैसे अंतरराष्ट्रीय सितारे भी शरीक हुए। प्रशंसकों को पसंदीदा पात्रों की पोशाक पहनकर तस्वीरें खिंचवाते देखा गया। लोग एक-दूसरे के रचनात्मक कौशल की सराहना करते भी दिखे। दरअसल, यह आयोजन इसलिए चर्चा में रहा क्योंकि आमतौर पर कॉमिक-कॉन अफ्रीका सितंबर के अंत में आयोजित किया जाता है। हालांकि, इस साल जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के कारण इसे अगस्त में ही कर दिया गया। बता दें कि इस वर्ष के अंत में जोहान्सबर्ग में ही जी20 देशों के राष्ट्राध्यक्षों का सम्मेलन आयोजित किया जाना है।

इस्राइल उत्तरी गाजा में मदद भेजना बंद कर सकता है

सैन्य आक्रमण बढ़ने के बीच इन विकल्पों पर मंथन

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइल जल्द ही उत्तरी गाजा में मानवीय सहायता को रोक देगा या उसे धीमा कर देगा। एक अधिकारी ने शनिवार (स्थानीय समयानुसार) को कहा कि इस्राइल ऐसा इसलिए कर सकता है, क्योंकि वह हमास के खिलाफ अपने सैन्य अभियान का विस्तार कर रहा है। यह जानकारी ऐसे समय में सामने आई है, जब एक दिन पहले ही गाजा सिटी को आधकारिक रूप से युद्ध क्षेत्र घोषित कर दिया गया है। इस फैसले से इस्राइल सरकार की आलोचना और बढ़ने की संभावना है, क्योंकि लगभग 23 महीने से जारी युद्ध में गाजा के लोगों और वहां बचे इस्राइली बंधकों की स्थिति को लेकर देश-विदेश में नाराजगी तेज हो रही है।

आने वाले दिनों में सहायता ट्रकों की संख्या घटाएगा इस्राइल

एक इस्राइली अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बात की। उन्होंने बताया कि इस्राइल आने वाले दिनों में गाजा सिटी पर हवाई हमले बंद कर देगा और सहायता ट्रकों की संख्या घटा दी जाएगी। इसके साथ ही लाखों लोगों को दक्षिणी गाजा की ओर ले जाने की तैयारी हो रही है।

इस्राइल ने गाजा सिटी को बताया हमास का गढ़

इस्राइल ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को सहायता पहुंचाने के लिए दिन में लड़ाई रोक दी थी। इस्राइल ने गाजा सिटी को हमास का गढ़ बताते हुए दावा किया कि वहां अब भी भूमिगत सुरंगों का नेटवर्क सक्रिय है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र और उसके सहयोगियों का कहना है कि इस्राइल की ये राहत व्यवस्था गाजा के लिए रोजाना जरूरी 600 ट्रकों की तुलना में बेहद कम है।

एक और बंधक के अवशेष मिले

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने बताया कि शुक्रवार को गाजा में एक और बंधक के अवशेष मिले हैं। यह अवशेष इदान शितवी के हैं। कार्यालय के अनुसार, सात अक्तूबर 2023 को हमास के हमले के बाद इदान का नोवा संगीत समारोह से अपहरण कर लिया गया था। 250 से ज्यादा बंधकों में से अब 48 ही गाजा में बचे हैं। इस्राइल का मानना है कि इनमें से 20 जिंदा हैं। बंधकों के परिजनों को डर है कि सैन्य कार्रवाई बढ़ने से उनकी जान और खतरे में पड़ सकती है। शनिवार को उन्होंने एक बार फिर तेल अवीव में युद्धविराम की मांग करते हुए प्रदर्शन किया।

बड़े पैमाने पर विस्थापन की आशंका

हाल के दिनों में, इस्राइली सेना ने गाजा सिटी के बाहरी इलाकों पर हमले तेज किए हैं, जहां हाल ही में वैश्विक खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों ने अकाल की स्थिति घोषित की थी। शनिवार तक कई दिनों से गाजा में कोई हवाई आपूर्ति नहीं हुई थी। यह एक बड़ा बदलाव है, क्योंकि इससे पहले लगभग रोजाना कुछ न कुछ राहत गिराई जाती थी। अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस की अध्यक्ष मिर्जाना स्पोल्जारिक ने कहा कि इतने बड़े पैमाने पर लोगों को गाजा सिटी से निकालना असंभव है, क्योंकि बुनियादी ढांचा तबाह हो चुका है और खाना, पानी, दवा, आश्रय हर चीज की भारी कमी है।

83 की उम्र में 23 साल के लड़के से प्यार, दादी की प्रेम कहानी जानकर रह जाएंगे हैरान

टोक्यो, एजेंसी। प्यार कब और किससे हो जाए, कोई नहीं जानता। कहा जाता है कि प्यार अक्सर तब होता है जब उसकी उम्मीद सबसे कम होती है, और कभी-कभी पूरी तरह असंभव तरीके से। जापान में 23 वर्षीय विश्वविद्यालय के छात्र कोफू और 83 वर्षीय आइको के बीच के रोमांस ने इंटरनेट पर हलचल मचा दी है। 60 साल के उम्र के अंतर के बावजूद, उनकी प्रेम कहानी पूरे शहर में चर्चा का विषय बन गई है। बताया जाता है कि मात्र पांच महीनों में ही उनका रिश्ता बहुत मजबूत हो गया है।

आइको और कोफू कौन हैं?

1942 में ओसाका में जन्मी आइको दो बार विवाह कर चुकी हैं। वह एक बेटे और एक बेटी की मां, पांच बच्चों की दादी और एक खूबसूरत वनस्पति उद्यान की मालकिन हैं, जो उनकी बागवानी के वर्षों के अनुभव का नतीजा है। उम्र के बावजूद वह सक्रिय, सुडौल और ऊर्जावान बनी हुई हैं। वह अपनी जवानी को बनाए रखने का श्रेय अपने रोजाना के व्यायाम को देती हैं। वहीं, कोफू अभी युवावस्था के शुरुआती दौर में है और ग्रेजुएशन कर रहा है। वह मानता हैं कि उसे हमेशा से बड़ी उम्र की महिलाओं की ओर आकर्षण रहा है, लेकिन उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वे अपने से छह दशक बड़ी महिला के प्यार में पड़ जाएगा।

आइको और कोफू की मुलाकात कैसे हुई?: कोफू, आइको की पोती का सहपाठी है। वह उसके घर आया और तुरंत आइको से प्रभावित हो गया। शुरू में दोनों अपनी भावनाओं को व्यक्त करने से हिचक रहे थे, क्योंकि उन्हें इस बात का अहसास था कि उनका रिश्ता कितना असामान्य लग सकता है। लेकिन हर मुलाकात के साथ वे एक-दूसरे के करीब आते गए, और धीरे-धीरे एक अनकही दोस्ती बन गई। इसके बाद आइको की पोती ने डिज्नीलैंड की यात्रा की योजना बनाई। इसी दौरान वह पल आया जिसने दोनों की दुनिया बदल दी। कोफू ने अपनी भावनाओं को साझा किया। आइको उसकी स्पष्टवादिता से प्रभावित हुईं और दोनों ने प्यार को फिर से तलाशने के लिए विश्वास की छलांग लगाने का फैसला किया।

गुप्त रोमांस से पारिवारिक स्वीकृति तक : शुरुआत में इस जोड़े ने अपने रिश्ते को गुप्त रखा, क्योंकि वे नहीं जानते थे कि लोग क्या कहेंगे। लेकिन जब सच्चाई सामने आई, तो उनके परिवारों ने उनका साथ देकर उन्हें हैरान कर दिया। तब से कोफू और आइको ने न केवल पांच महीने साथ बिताए हैं, बल्कि एक-दूसरे के साथ रहने भी लगे हैं। संयोगवश दोनों की शादी की सालगिरह वैलेंटाइन डे के दिन पड़ती है।

जनता की प्रतिक्रिया क्या रही?

सोशल मीडिया पर दोनों की लव स्टोरी ने बहस छेड़ दी है। कुछ लोग आश्चर्य और अविश्वास जता रहे हैं, और मजाक करते हुए कहते हैं कि वे अभी भी इस जोड़े को समझ नहीं पा रहे हैं। वहीं कई लोग इस जोड़े के साहस की तारीफ कर रहे हैं और कहते हैं कि भले ही यह रिश्ता अपरंपरागत हो, लेकिन उनकी खुशी निर्विवाद है।

तियानजिन में पीएम से मिलने के बाद रो पड़ी चीनी महिला

तियानजिन , एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को चीन के तियानजिन शहर पहुंचे। वहां उनका भव्य स्वागत हुआ। पीएम मोदी की चीन यात्रा से चीनी लोग भी काफी उत्साहित दिखे। एक चीनी महिला, जिसके पति भारतीय हैं, ने पीएम मोदी से मिलने के बाद खुशी के कारण रो पड़ी। महिला ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को देखकर वह खुशी से अभिभूत हो गई। उसने कहा कि मुझे भारत से प्यार है... मुझे प्रधानमंत्री मोदी से प्यार है।

बता दें कि तियानजिन के बिनहाई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्वागत के बाद प्रधानमंत्री मोदी होटल पहुंचे और वहां सांस्कृतिक कार्यक्रम देखे। महिला ने कहा कि हम प्रधानमंत्री मोदी से मिलने के लिए यहां आकर बहुत खुश हैं। इनमें पारंपरिक कथक और ओडिसी नृत्य शामिल थे। ओडिसी नृत्यांगना झांग जिंगहुई ने प्रधानमंत्री मोदी के लिए प्रदर्शन करने के सम्मान के बारे में बताया। उसने कहा कि मुझे थोड़ी घबराहट हुई, लेकिन यह मेरे और मेरी टीम के लिए बहुत सम्मान की बात है। मैंने 13 साल से अधिक समय तक ओडिसी सीखी है। हमने दो महीने तक इसका अभ्यास किया और प्रस्तुति दी।

वहीं, चीनी कथक नृत्यांगना डू जुआन ने कहा कि पीएम मोदी के सम्मान में नृत्य करना अविस्मरणीय था। जुआन ने कहा कि मैं मोदी जी के लिए नृत्य करने को लेकर बहुत उत्साहित थी। यह जीवन भर का एक अविस्मरणीय अनुभव था। मुझे बहुत आनंद आया। एक अन्य भारतीय शास्त्रीय तबला वादक झुआंग जिंग ने कहा कि यह बहुत रोमांचक था। मुझे लगता है कि हमने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

वर्जिन ऑस्ट्रेलिया की फ्लाइट के शौचालय में आई समस्या

बोतल में पेशाब करने के लिए मजबूर हुए यात्री

ब्रिसबेन, एजेंसी। वर्जिन ऑस्ट्रेलिया की एक फ्लाइट से अजीबोगरीब खबर सामने आ रही है। जहां यात्रियों को यात्रा के दौरान शर्मनाक स्थिति का सामना करना पड़ा, जब टॉयलेट खराब हो जाने के कारण उन्हें बोतलों में पेशाब करनी पड़ी। यह घटना पिछले हफ्ते बाली (इंडोनेशिया) से ब्रिसबेन (ऑस्ट्रेलिया) आ रही फ्लाइट में हुई। यह फ्लाइट बोइंग 737 मैक्स 8 विमान से संचालित हो रही थी और गुरुवार दोपहर डेनपसार से रवाना हुई थी। उड़ान के समय एक पिछला टॉयलेट पहले से ही मरम्मत के चलते बंद था। लेकिन यात्रा के दौरान बाकी टॉयलेट भी खराब हो गए, जिससे यात्रियों को 6 घंटे की उड़ान में टॉयलेट की सुविधा नहीं मिली।

यात्रियों ने बताया अपना अनुभव : विमान में हुए इस कृत्य के बारे में यात्रियों ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। इस दौरान एक यात्री ने कहा कि आखिरी तीन घंटे बेहद मुश्किल भरे थे। कुछ लोगों को बोतल में पेशाब करना पड़ा, तो कई यात्री बदबू और असहजता से परेशान दिखे।

बुदुर्ग महिला को करना पर दिक्कत का सामना : यात्री ने बताया स्थिति इतनी खराब हो गई कि एक बुजुर्ग महिला के खुद को नहीं रोक पाने की वजह से वह सार्वजनिक रूप से पेशाब कर बैठीं, जिससे उन्हें शर्मिंदगी झेलनी पड़ी। वहीं एक यात्री ने बताया कि फ्लाइट के बीच में ही सभी टॉयलेट काम करना बंद कर दिए। बाकी समय हमें बोतल में या फिर पहले से गंदे टॉयलेट में ही पेशाब करने को कहा गया। यह अपमानजनक और तनावपूर्ण था।

एयरलाइन ने मांगी माफी : हालांकि मामे में वर्जिन ऑस्ट्रेलिया ने माफी मांगते हुए कहा कि वे यात्रियों को हुई परेशानी के लिए खेद प्रकट करते हैं और प्रभावित लोगों को फ्लाइट क्रेडिट दिया जाएगा। एयरलाइन ने अपने स्टाफ की भी सराहना की जिन्होंने इस मुश्किल स्थिति को संभालने की कोशिश की। ऑस्ट्रेलियाई ट्रांसपोर्ट वर्कर्स यूनियन ने इस घटना की आलोचना करते हुए इसे यात्रियों और क्रू के लिए गंभीर स्वास्थ्य खतरा बताया।

उड़ान के बीच बिगड़ी हालत : शुरुआत में यात्रियों को उम्मीद थी कि आगे किसी तरह काम चल जाएगा, लेकिन बीच सफर में स्थिति और बिगड़ गई। विमान के बाकी दो टॉयलेट भी खराब हो गए। नतीजा यह हुआ कि करीब छह घंटे तक यात्रियों के पास कोई वॉशरूम सुविधा नहीं रही। क्रू ने यात्रियों को बोतलें पकड़ाकर कहा कि मजबूरी में इन्हीं का इस्तेमाल करना होगा या फिर पहले से खराब पड़े टॉयलेट पर ही जाना पड़ेगा। कई यात्रियों ने मजबूरी में ऐसा किया भी।

लाहौर से मुल्तान तक तबाही, पंजाब प्रांत में 70 साल बाद आई भयानाक बाढ़, 30 की मौत और लाखों बेघर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में आई भयानक बाढ़ ने भारी तबाही मचा दी है। बीते 24 घंटे में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई है जबकि लाखों लोग बेघर हो गए हैं। हालात इतने बिगड़ गए कि प्रशासन को कई जगह बांध तोड़ने के लिए विस्फोटक तक इस्तेमाल करना पड़ा ताकि बड़े शहरों को बाढ़ से बचाया जा सके।

शनिवार सुबह से हो रही मूसलधार बारिश ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने दो सितंबर तक और तेज बारिश की चेतावनी दी है। पंजाब प्रांत के करीब 1,700 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। इनमें सिखों का पवित्र स्थल करतारपुर भी शामिल है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के मुताबिक, 26 जून से शुरू हुए मानसून में अब तक देशभर में 842 लोगों की जान जा चुकी है।एनडीएमए ने चिनाब, रावी और सतलुज नदियों में बाढ़ की चेतावनी जारी की है। खासकर सतलुज नदी में 1955 जैसी स्थिति बन रही है। कसूर जिले में खतरा बढ़ता जा रहा है। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) ने इसे सबसे भयानक बाढ़ बताया और कहा है कि मानसून का नौवां दौर दो सितंबर तक जारी रहेगा। राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है, लेकिन लगातार बारिश और नदियों के उफान से संकट और गहराता जा रहा है।

लाखों लोग बेघर, हजारों गांव डूबे

पंजाब की वरिष्ठ मंत्री मरियम औरंगजेब ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 30 लोगों की जान गई है। करीब 15 लाख लोग बेघर हो गए हैं। अब तक 5 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। लगभग 2,000 गांव डूब गए हैं और हजारों एकड़ फसल बर्बाद हो गई है। प्रशासन ने मंडी बहाउद्दीन, चिनीओट और झंग समेत कई इलाकों में सात जगह बांध तोड़ने के लिए विस्फोटक का इस्तेमाल किया।

नदियों का उफान और खतरा बढ़ा

जानकारी के मुताबिक, केवल चिनाब नदी से 1,169 गांव प्रभावित हुए हैं। रावी नदी से 462 गांव और सतलुज से 391 गांव डूबे हैं। पूरे प्रांत में 351 राहत व मेडिकल कैंप चलाए जा रहे हैं। लाहौर में करीब 40 साल बाद दो दर्जन कॉलोनियां पानी में डूब गईं। वहीं, मुल्तान शहर पर बाढ़ का बड़ा खतरा मंडरा रहा है क्योंकि चिनाब नदी में अगले 24 घंटे में 8 लाख क्यूसेक का पानी आने की आशंका जताई गई है।

मिस्र में यात्री ट्रेन पटरी से उतरी, तीन लोगों की मौत, 94 से ज्यादा घायल

काहिरा, एजेंसी। पश्चिमी मिस्र में शनिवार को एक यात्री ट्रेन पटरी से उतर गई, जिसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में 94 यात्री घायल हो गए। हाल के वर्षों में मिस्र में हुई रेल दुर्घटनाओं की श्रृंखला में यह नवीनतम घटना है। रेलवे अधिकारियों ने एक बयान में बताया कि देश के उत्तरी तट पर स्थित पश्चिमी भूमध्यसागरीय प्रांत मतरूह से काहिरा जाते समय ट्रेन के सात डिब्बे पटरी से उतर गए, जिनमें से दो पलट गए।स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि घायलों को अस्पतालों में पहुंचाने के लिए 30 एम्बुलेंस भेजी गईं। रेलवे अधिकारियों के बयान में कहा गया है कि पटरी से उतरने के कारण का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। मिस्र में पुरानी रेलवे प्रणाली कुप्रबंधन से ग्रस्त है, इसलिए ट्रेनों का पटरी से उतरना आम है। पिछले साल अक्तूबर में, दक्षिणी मिस्र में काहिरा जाने वाली एक यात्री ट्रेन के पिछले हिस्से में एक इंजन टकरा गया था, जिसमें कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हुए थे। हाल के वर्षों में, सरकार ने रेलवे में सुधार के लिए पहल की घोषणा की है। राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी ने 2018 में कहा था कि देश के उपेक्षित रेल नेटवर्क को ठीक करने के लिए लगभग 250 बिलियन मिस्री पाउंड या 8.13 बिलियन अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता होगी।

यमन में इस्राइल ने किया हवाई हमला, हूती विद्रोही सरकार के प्रधानमंत्री अहमद अल रहावी की मौत

काहिरा, एजेंसी। इस्राइल ने एक बार फिर यमन की राजधानी सना पर हवाई हमले किया। बताया जा रहा है कि हमलों में हूती विद्रोही नियंत्रित सरकार के प्रधानमंत्री अहमद अल रहावी की मौत हो गई। साथ ही हमले में कई और मंत्रियों ने भी जान गंवा दी। हूती विद्रोहियों ने कहा कि अल-रहावी अगस्त 2024 से हूती नेतृत्व वाली सरकार के प्रधानमंत्री थे। उनको अन्य मंत्रियों के साथ सरकार की पिछले वर्ष की गतिविधियों और प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए आयोजित नियमित कार्यशाला के दौरान निशाना बनाया गया। वहीं इस्राइली सेना ने कहा कि उसने यमन के सना क्षेत्र में हूती आतंकी शासन के सैन्य ठिकाने पर सटीक हमला किया।

हमला उस वक्त किया गया जब शीर्ष नेता एक अपार्टमेंट में राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित एक भाषण कार्यक्रम देख रहे थे। यमन के एक चैनल ने बताया कि हूती प्रधानमंत्री अल-रहावी अपने कई सहयोगियों के साथ एक अपार्टमेंट में थे। हमले में हूती रक्षा मंत्री मोहम्मद नासिर अल-अथिफी और चीफ ऑफ स्टाफ मोहम्मद अब्द अल-करीम अल-गमारी के भी मारे जाने की संभावना है।

हमास के समर्थन में इस्राइल पर मिसाइल दागते रहें हैं हूती : गाजा में हमास के खिलाफ युद्ध के दौरान हूतियों ने इस्राइल पर बार-बार मिसाइलें दागी हैं। हूती विद्रोहियों का कहना है कि ये हमले फलस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए किए जा रहे हैं। हालांकि यमन की ओर से दागी गईं ज्यादातर मिसाइलें इस्राइल ने रोक लीं और हवा में ही उनके टुकड़े-टुकड़े कर दिए। हूती संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय और सरकारी अधिकारियों के अनुसार इस सप्ताह के शुरू में इस्राली हमलों ने सना के कई क्षेत्रों को निशाना बनाया। इसमें कम से कम 10 लोग मारे गए और 102 अन्य घायल हो गए।

ट्रंप प्रशासन के साथ किया था समझौता

इससे पहले इस्राइल और अमेरिका ने यमन में विद्रोहियों के कब्जे वाले इलाकों पर बमबारी की। इसमें सना और रणनीतिक तटीय शहर होदेदा भी शामिल था। इस्राइली हमलों के कारण मई में सना हवाई अड्डा सेवा से बाहर हो गया था।

ट्रम्प प्रशासन ने मई में हूतियों के साथ एक समझौते की घोषणा की थी। इसके तहत वे लाल सागर में जहाजों पर हमले बंद करने के बदले हवाई हमले बंद करेंगे। हालांकि, विद्रोहियों ने कहा कि इस समझौते में उन ठिकानों पर हमले रोकने की बात शामिल नहीं थी जो इस्राइल से संबद्ध हैं।

भगवान श्री चंद्र देव जी की 531वीं जयंती उदासीन परंपरा अनुसार हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

श्री उदासीन आश्रम मंदिर मरघटिया महावीर, शाहजहानाबाद भोपाल में श्री उदासीनचार्य, भगवान श्री चंद्र देव जी की 531वीं जयंती उदासीन परंपरा अनुसार हर्षोल्लास के साथ मनाई गई । पंडित गंगा प्रसाद आचार्य ने बताया कि सप्त दिवसीय अनुष्ठान एवं अखंड रामचरितमानस का पाठ भगवान श्री चंद्र जी का पूजन अर्चन अभिषेक हवन श्रृंगार एवं विशाल भंडारा संतों पुजारियों विद्वानों एवं भक्तों का किया गया ।आश्रम के श्री महंत 1008 श्री कन्हैया दास जी महाराज उदासीन के द्वारा उपस्थित समस्त संतों का भेंट विदाई, के द्वारा सम्मान किया गया। इस पुनीत अवसर पर राजधानी भोपाल के महंतों के सहित सुठालिया सरकार परम पूज्य, श्री महंत बालक नाथ जी योगी जी महंत श्री हनुमान दास जी महंत श्री अनिलानंद, महाराज उदासीन स्वामी महंत श्री नवीनानंद जी, महाराज परमहंस एवं पंडित गंगा प्रसाद आचार्य ज्योतिष विद्वान पंडित कृपाराम उपाध्याय जी पूजा दुबे आदि उपस्थित रहे इस अवसर पर ज्योतिष संगोष्ठी भी संपन्न हुई।

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा शिक्षा के ढांचे को सुदृढ़ बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रदेशवासियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना और चिकित्सा शिक्षा के ढांचे को सुदृढ़ बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने मंत्रालय भोपाल में चिकित्सकीय मैनपॉवर भर्ती प्रक्रिया, अधोसंरचना विकास कार्यों और नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरे हों ताकि जनता को समय पर सुविधाएं और युवाओं को रोजगार एवं शिक्षा के अवसर मिल सकें।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती, उन्हें उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं एवं मानदेय से संबंधित विषयों पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने नर्सिंग ऑफिसर भर्ती के लिए नियमों में संशोधन की चल रही प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने अंतर्विभागीय समन्वय और आवश्यक औपचारिकताओं को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रक्रिया 15 सितम्बर तक पूरी कर शीघ्र भर्ती की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने एएनएम काउंसलिंग, फार्मासिस्ट नियुक्ति परीक्षा और हॉस्पिटल असिस्टेंट भर्ती की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की और समयबद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए। चिन्हित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में आउटसोर्सिंग के माध्यम से एफआरयू संचालन की कार्यवाही की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि मरीजों को मानक अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने चिकित्सा अधोसंरचना विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने पीपीपी मोड पर धार, बैतूल, कटनी और पन्ना में मेडिकल कॉलेज स्थापना की कार्यवाही पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भूमि आवंटन और अन्य आवश्यक सहयोग समय से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण होना चाहिए, ताकि शीघ्र चिकित्सा शिक्षा सत्र प्रारंभ हो सके और नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। नर्सिंग कॉलेज निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की और निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्यों की सतत मॉनिटरिंग हो, गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए और उन्हें समय पर पूरा किया जाए। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा श्री तरुण राठी तथा सीईओ आयुष्मान मध्यप्रदेश डॉ. योगेश भरसट उपस्थित रहे।

स्वदेशी उत्पादों का उपयोग है सच्ची राष्ट्रसेवा : मुख्यमंत्री यादव

जनअभियान परिषद और स्वदेशी जागरण मंच के मध्य हुआ एमओयू,स्वदेशी से जुड़े रहने के संकल्प के तहत सभी ने ली शपथ

भोपाल । मुख्यमंत्री एवं जनअभियान परिषद के अध्यक्ष डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वदेशी वस्तुएं केवल उत्पाद ही नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय अस्मिता, धरोहर और हमारे मान-सम्मान का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया ÷वोकल फॉर लोकल÷ अभियान भारतीयता की इसी भावना को आगे बढ़ाने का माध्यम है। हमारे देशी उत्पाद न केवल विदेशी उत्पादों से अधिक मजबूत, किफायती और गुणवत्तायुक्त हैं, बल्कि इन्हें खरीदने पर हमें अधिकतम लाभ भी मिला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से आत्मीय आह्वान किया कि हर भारतीय नागरिक को न केवल स्वयं स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करना चाहिए, बल्कि अपने आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। यही देश प्रेम हमारी अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा। स्वदेशी भावना ही सच्ची राष्ट्रसेवा का सहज मार्ग है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सभागार में जनअभियान परिषद और स्वदेशी जागरण मंच के संयुक्त तत्वावधान में स्वदेशी से स्वावलंबन विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव व अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन एवं भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि कर इस एक दिवसीय संगोष्ठी का विधिवत् शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनअभियान परिषद द्वारा स्वदेशी अभियान के लिए तैयार किए गए पोस्टर एवं ब्रोशर का भी विमोचन किया। इस ब्रोशर में स्वदेशी वस्तुओं की सूची दी गई है। कार्यक्रम में जन अभियान परिषद और स्वदेशी जागरण मंच के मध्य स्वदेशी उत्पादों के प्रचार-प्रसार की जनजागृति के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में इस एमओयू का दोनों संगठनों द्वारा परस्पर आदान-प्रदान भी किया गया। कार्यक्रम का आरंभ वंदे मातरम् गायन के साथ हुआ। आरंभ में आयोजकों द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव का तुलसी का पौधा भेंटकर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत के निर्माण की दिशा में विभिन्न कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं का अधिकाधिक उपयोग ही देश के प्रति प्रेम और सच्ची राष्ट्र सेवा है। हम सभी को अपने जीवन में देशी उत्पादों का उपयोग बढ़ाने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने स्वदेशी भाव से सदैव जुड़े रहने के संकल्प के तहत कार्यक्रम में उपस्थित सभी को स्वदेशी उत्पादों का ही उपयोग करने की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों को राष्ट्रीय लघु उद्योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि लघु उद्योगों से ही हमारी अर्थव्यवस्था कायम है। भारतीय वस्तुओं और भारतीय तकनीक की विश्व में धूम मची है। वैश्विक स्तर पर हमारे देश में निर्मित वस्तुओं की मांग बढ़ी है। यह वैश्विक मांग हमारे राष्ट्रीय स्वाभिमान भाव को और पोषित करती है। उन्होंने कहा कि पूरा राष्ट्र स्वदेशी के प्रति वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध है। हमारी संस्कृति ही हमें स्वदेशी का भाव सिखाती है। हम देशी वस्तुओं के प्रति अपने अंतर्मन से जुड़े हुए हैं। यह भावना ही स्वदेशी उत्पादों को और बेहतर स्वरूप देने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि जन अभियान परिषद और स्वदेशी जागरण मंच दोनों का लक्ष्य एक है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि राज्य सरकार ने प्रदेश में धार्मिक, आध्यात्मिक और वन पर्यटन बढ़ाने की दिशा में ठोस काम किए हैं। श्री महाकाल लोक के निर्माण के बाद वर्ष 2024 में 7 करोड़ से अधिक श्रद्धालु उज्जैन आए। हम हर सेक्टर में आगे बढ़ रहे हैं। पर्यटन के अलावा हम एमएसएमई यानि छोटे उद्योग और खनन क्षेत्र में निहित संभावनाओं को तलाशने के लिए प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में कॉन्क्लेव कर रहे हैं। ग्वालियर में रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव आयोजित की गई है। यह क्रम आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि हम प्रदेश में रोजगारपरक उद्योग स्थापित करने वाले उद्योगपतियों और निवेशकों को किफायती दरों पर भूमि, बिजली, पानी के साथ-साथ प्रति श्रमिक 5 हजार रूपए प्रोत्साहन राशि भी दे रहे हैं। इससे प्रदेश में नए उद्योग-धंधे लगेंगे, जिसका सीधा लाभ मध्यप्रदेश के निवासियों को मिलेगा। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को स्मृति चिन्ह के रूप में मिट्टी के गणेश की प्रतिमा भेंट की गई।संगोष्ठी में बैतूल विधायक एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि स्वदेशी एक बड़ा विषय है। राज्य सरकार स्वदेशी के प्रति जागरूकता और स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ रही है। हम सभी अपने मानस में, अपने आचरण में स्वदेशी भाव लाएं, तभी हमारा देश विकसित और समृद्ध बनेगा। हम अपनी संस्कृति और धरोहर को बचाए रखें और सरकार के स्वदेशी भाव से जुड़े हर काम, हर अभियान में सहयोगी बनें। उन्होंने कहा कि हम सभी मिलकर जागृति लाएंगे, तभी तो स्वदेशी की भावना हर नागरिक तक पहुंचेगी।

जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर ने कहा कि यह राज्य स्तरीय संगोष्ठी स्वदेशी जागरण मंच के सहयोग से आयोजित की गई है। दोनों संगठन स्वदेशी के प्रति जागृति लाने के लिए प्राण-प्रण से जुटे हैं। उन्होंने बताया कि आगामी 25 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2025 तक जनअभियान परिषद स्वदेशी जागरण सप्ताह मनाएगा। हम इसे जन-जन का अभियान बनाएंगे। उन्होंने बताया कि हम सरकार के हर अभियान को प्रदेश के हर नागरिक तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं। विगत 30 मार्च से 30 जून तक चले जल गंगा संवर्धन अभियान में जन अभियान परिषद ने 40 लाख लोगों की सहभागिता कराई। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जन अभियान परिषद ने 17 लाख से अधिक पौधे रोपने में मदद की और करीब 1.5 लाख से अधिक महिलाओं को इस अभियान से जोड़ा। उन्होंने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए हम मिट्टी के गणेश की स्थापना के लिए लक्षित होकर काम कर रहे हैं। इस वर्ष के गणेशोत्सव में हमने प्रदेश के 10 लाख से अधिक घरों में मिट्टी के गणेश की प्रतिमा स्थापित कराई। हमारा काम जनजागृति लाना और हम इसी दिशा में सरकार के सहयोगी बनकर आगे बढ़ रहे हैं।

कार्यक्रम में स्वदेशी जागरण मंच के वरिष्ठ राष्ट्रीय पदाधिकारी श्री सुधीर दाते, स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय संगठक श्री कश्मीरी लाल, इसी संगठन के राष्ट्रीय संयोजक श्री आर. सुंदरम, जन अभियान परिषद के कार्यपालिक निदेशक डॉ. बकुल लाड़ सहित स्वदेशी अभियान से जुड़े सभी विद्वतजन और अभियान के अंशभागी (स्टेक होल्डर्स) उपस्थित थे।

बीएसएसएस ने सम्मोहन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का किया आयोजन

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज (बीएसएसएस) के मनोविज्ञान विभाग ने इंडियन सोसाइटी ऑफ क्लिनिकल एंड एक्सपेरिमेंटल हिप्नोसिस (आईएससीईएच) और आत्मान बाय सोनम के सहयोग से नवयुग सम्मोहन पर दूसरी अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम बीएसएसएस सेमिनार हॉल में आयोजित किया गया। इस कार्यशाला में देश-विदेश के विशेषज्ञ, अभ्यासकर्ता और विद्वान भागीदारी कर रहे थे। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलन और गणमान्य व्यक्तियों के संदेशों के साथ हुआ। उद्घाटन समारोह का मुख्य आकर्षण डॉ भास्कर व्यास, जिन्हें नवयुग सम्मोहन के जनक माना जाता है, का संदेश था, जो उन्होंने अपनी पुत्री डॉ निरूपा के माध्यम से दिया। आईएससीईएच के अध्यक्ष डॉ अविनाश दवे और आईएससीईएच की आयोजन सचिव सोनम छतवानी ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया। मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. विनय मिश्रा को परामर्श के क्षेत्र में उनके नेतृत्व के साथ-साथ कार्यशाला के सफल आयोजन में उनके मार्गदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। तीन दिनों तक, प्रतिभागियों ने प्राचीन ज्ञान, आधुनिक चिकित्सीय पद्धतियों और सम्मोहन पर नए युग के दृष्टिकोणों को समाहित करते हुए कई सत्रों में भाग लिया। मुख्य वक्ता, डॉ. पी. एन. मिश्रा, प्रोफेसर एमेरिटस, ने नए युग के सम्मोहन और शास्त्रों के बीच संबंध पर संबोधित किया। भारतीय सम्मोहन चिकित्सा के क्षेत्र में अथक योगदान के लिए डॉ. भास्कर व्यास को लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार प्रदान किया गया। समापन अवसर पर बोलते हुए, डॉ. फादर. जॉन पी.जे. ने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह कार्यशाला मनोविज्ञान को समग्र उपचार पद्धतियों के साथ एकीकृत करने के बीएसएसएस के मिशन को दर्शाती है।

दो अक्टूबर की ग्राम सभा जनजाति विकास पर केंद्रित होगी

भोपाल। केन्द्रीय सचिव जनजाति कार्य मंत्रालय श्री विभु नायर ने कहा कि राज्य जनजातीय विकास की केंद्रीय योजनाओं का राज्य को भरपूर लाभ ले। भारत सरकार हर स्तर पर सहयोग देने के लिए तैयार है। उन्होंने धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान, प्रधानमंत्री जनमन योजना और आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत चल रही गतिविधियों की जानकारी ली। सचिव श्री नायर सोमवार को मंत्रालय में जनजातीय कार्य विभाग की गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे। सचिव भारत सरकार श्री नायर ने कहा कि निचले स्तर पर जनजाति विकास का जो विजन तैयार होगा उसी के आधार पर भारत सरकार से धनराशि उपलब्ध होगी। उन्होंने सेवाओं के प्रदाय में सुधार के लिए ठोस प्लानिंग की बात कही। नायर ने कहा कि गांव में मानव संसाधनों का उपयोग करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि जिन अशासकीय संगठनों की सेवाएं ली जाए उनकी ग्राम और विकासखंड स्तर पर अच्छी उपस्थिति हो।

खाद्य प्रतिष्ठानों पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग की छापेमार कार्यवाही

भोपाल । कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने खाद्य सुरक्षा विभाग के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को मिलावटी एवं दूषित खाद्य पदार्थों पर त्वारित कार्यवाही के निर्देश दिए गए ।

शनिवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की संयुक्त टीम द्वारा आहुजा बेकरी की शिकायत प्राप्त होने पर न्यू मार्केट भोपाल स्थित बेकरी का कारखाना एवं दुकान पर पहुंच कर कारखाने में बन रहे केक अलग-अलग फ्लेवर एवं केक निर्माण में उपयोग हो रहे रॉ खाद्य पदार्थ का संयुक्त टीम द्वारा निरीक्षण के दौरान मौके पर निर्माण स्थल में गंदगी के बीच केक का निर्माण कर दुकान पर विक्रय हेतु प्रदर्शित पाया गया है।

मौके पर तत्काल कार्यवाही करते हुए चॉकलेट फ्लेवर एवं रॉ खाद्य पदार्थ का नमूना जांच हेतु लिया एवं राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल जांच के लिए संग्रहित किये एवं मौके पर बेकरी निर्माण में लगे कर्मचारियों के स्वास्थ्य परीक्षण, पेस्ट कंट्रोल प्रमाण पत्र एवं साफ सफाई एवं रख-रखाव कारखाने के मालिक नितिन आहुजा को खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम के अंतर्गत धारा 32 का नोटिस जारी किया गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम सतत, रेस्टोरेंटों एवं खाद्य प्रतिष्ठानों में नमूना एवं निरीक्षण कार्रवाई जारी हैं।

अभिहित अधिकारी श्री देवेन्द्र वर्मा के निर्देशन में कार्यवाही करते हुए मुख्यालय खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि खाद्य व्यावसायी द्वारा नियमों का पालन नहीं करने पर जारी सुधार सूचना में एक सप्ताह में अनुपलनार्थ रिपोर्ट प्रस्तुत न करने लाइसेंस रजिस्ट्रीकरण विनियम के तहत लाइसेंस रजिस्ट्रेशन के निलंबन की कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी। जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोग़शाला भोपाल भेजा गया है, जांच उपरांत अमानक जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर अधिनियम अनुसार सख्त कार्यवाही की जाएंगी।

टीला पुलिस ने वन्य प्राणी काले हिरण व नील गाय फरार तस्कर को हथियार सहित किया गिरफ्तार

भोपाल । पुलिस आयुक्त नगरीय पुलिस भोपाल हरिनारायणाचारी मिश्र भा.पु.से., तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त का.व्य. नगरीय पुलिस जिला भोपाल श्री अवधेश कुमार गोस्वामी भा.पु.से., द्वारा शहर मे अवैध रूप से नील गाय व काले हिरण की तस्करी करने बाले बदमाशों के विरूद्ध अंकुश लगाने एंव आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण हेतु व कड़ी कार्यवाही करने हेतु आवश्यक दिशानिर्देश जारी किये गये है। उक्त दिशा निर्देशों के पालन मे पुलिस उपायुक्त जोन 03 भोपाल रियाज इकबाल (भा.पु.से.),अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन 03 भोपाल श्रीमति शालिनी दीक्षित (रा.पु.से.), सहायक पुलिस आयुक्त शाह.बाद संभाग भोपाल अनिल वाजपेई के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी को थाना स्तर टीम गठित कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था । पुलिस को रविवार 31 अगस्त की रात को मुखविर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि वन्य प्राणी काले हिरण व नील गाय के शिकार के मामले में फरार सुदा बदमाश जफर बेग उर्फ धार नामक व्यक्ति भोपाल से भागने की फिराक में इस्लामी गेट बस स्टेण्ड के पास खड़ा है।

सूचना पर थाना टीला की टीम द्वारा त्वारित कार्यवाही करते हुए मुखबिर के द्वारा बताये स्थान इस्लामी गेट बस स्टेण्ड के पास पहुंचकर देखा। जहां पर एक व्यक्ति अंधेरे में खड़ा दिखा जो पुलिस को अपनी ओर आता देकर कर भागने का प्रयास किया जिसे टीला पुलिस की टीम द्वारा घेरा बंदी कर पकड़ा एवं नाम पता पूछा जिसने अपना नाम जफर वेग उर्फ धार पिता इरशाद वेग उम्र 40 साल निवासी मनं. 21 सुपर बाजार के सामने रॉयल पान प्लेस के बगल में काजी केम्प टीला जमालपुरा भोपाल का होना बताया। उसकी तलासी पर कमर में खुसी हुई एक धार दार छुरी मिली। मौके पर ही विधि सम्मत कार्यवाही की गयी तथा अपराध धारा 25 आर्म्स एक्ट का पाया जाने से प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त आरोपी को 07/08/2025 को प्रभारी वन मण्डल भोपाल के प्र.क्र. 32958/19 धारा 2,9,39,50,51,52 वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम के पालन में फरार सुदा वन्य प्राणी तस्कर फईम बेग उर्फ बम , जफर बेग उर्फ धार तथा युसुफ उर्फ चिकना व अन्य तस्कर फरार थे।

भारत की प्राचीन ज्ञान परम्परा विश्व कल्याण की आधार शिला : परमार

जेएनएस महाविद्यालय में आधुनिक शिक्षा एवं अनुसंधान में प्राचीन ज्ञान की भूमिका विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार

भोपाल । उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि भारत की समृद्ध प्राचीन ज्ञान परंपरा, वर्तमान परिदृश्य में भी विश्व कल्याण की आधारशिला है। भारतीय शिक्षा पद्धति, जो प्राचीन काल से ही मानवता को दिशा देती रही है, आधुनिक युग में भी उतनी ही प्रासंगिक है। यह बात मंत्री श्री परमार ने शनिवार को जवाहरलाल नेहरू स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय शुजालपुर में, उच्च शिक्षा विभाग एवं आईक्यूऐसी के संयुक्त तत्वावधान में ÷आधुनिक शिक्षा एवं अनुसंधान में प्राचीन ज्ञान की भूमिका÷ विषय पर आयोजित एक दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार में सहभागिता कर कही। मंत्री श्री परमार ने भारत की समृद्ध प्राचीन ज्ञान परंपरा और इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि चिकित्सा, दर्शन, शिक्षा और न्याय प्रणाली में भारत ने

जो अद्वितीय योगदान दिए, वही स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 के सशक्त भारत के निर्माण की आधारशिला बन रहे हैं। आयुर्वेद, योग और ध्यान की परंपरा ने विश्व को स्वस्थ जीवन का मार्ग दिखाया, तो गणित और खगोल विज्ञान ने आधुनिक विज्ञान की नींव रखी। मंत्री श्री परमार ने कहा कि न्याय व्यवस्था और शिक्षा पद्धति ने समाज को संतुलन और सामंजस्य का स्वरूप दिया। मंत्री श्री परमार ने कहा कि भारत की जीवन-दृष्टि ÷वसुधैव कुटुंबकम÷ संपूर्ण विश्व एक परिवार है। यही जीवन दृष्टि, सदैव से मानवता के कल्याण का मार्गदर्शन करती रही है। यही नीति आज विश्व शांति और सह अस्तित्व की सबसे बड़ी आवश्यकता के रूप में उभर रही है। मंत्री श्री परमार ने कहा कि अमृतकाल की ओर बढ़ते हुए भारत की यही प्राचीन ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक धरोहर नए भारत की आधारशिला है, जो न केवल देश बल्कि संपूर्ण मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करेगी। मुख्य वक्ता प्रशांत पौराणिक ने विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा विश्व में आकर्षण का केंद्र है। सिंधु घाटी सभ्यता, हड़प्पा की मिट्टी कला, धातुकर्म और लिपि इसके प्रमाण हैं। शून्य का आविष्कार, आर्यभट का पाई मान और सूर्यग्रहण की गणना भारतीय गणित की गौरवशाली धरोहर हैं। यह धरोहर वर्ष 2047 के सशक्त भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में मार्गदर्शक है।

सोनम बाजवा का नया पोस्ट मचा रहा है बवाल

सोनम बाजवा इन दिनों अपनी नई फिल्म बागी 4 को लेकर चर्चा में हैं लेकिन इसके अलावा उनकी लेटेस्ट तस्वीरों ने एक बार फिर उनका नाम सुर्खियों में डाल दिया है. सोनम बाजवा फिल्मों के साथ- साथ सोशल मीडिया पर भी अपना जलवा बिखेरती नजर आती हैं. हर बार ही वो अपने ग्लैमरस लुक्स से ऑडियंस को दीवाना बना लेती हैं.हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कुछ फोटोज शेयर की हैं जो अब सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं और फैंस भी इन तस्वीरों से अपनी निगाहें नहीं हटा पा रहे हैं.वायरल तस्वीरों में सोनम बाजवा का सिजलिंग लुक देखने को मिलता है जहां वो वाइन कलर के बॉडीकॉन ऑउटफिट में कहर ढा रही हैं. खुले बालों और ग्लॉसी मेकअप में हसीना बेहद ग्लैमरस लग रही हैं.इस वाइन कलर की आउटफिट के साथ उन्होंने एक बड़ी सी रिंग और एक वॉच पहनी है. इस स्टेटमेंट वेलरी के साथ एक्ट्रेस ने अपना लुक कंप्लीट किया है. पोस्ट शेयर करने के महज कुछ ही मिनटों में फैंस ने उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कमेंट्स की बारिश कर दी है.पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में ये बताया कि उनकी अपकमिंग फिल्म बागी 4 जल्द ही रिलीज होने वाली है और इसके साथ ही उन्होंने रिलीज डेट का भी जिक्र किया है. पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी ग्लैमर से तड़का लगाने के बाद सोनम बाजवा अब अपने मेहनत और टैलेंट से बॉलीवुड में भी अपने कदम जमाने की कोशिश कर रही हैं. अब फैंस उनकी अगली फिल्म का इंतजार बेसब्री से कर रहे हैं.

सोनम बाजवा को आखिरी बार हाउसफुल 5 में देखा गया था. अब उनकी फिल्म बागी 4 भी रिलीज होने वाली है. ये फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी. इसके अलावा उन्हें हर्षवर्धन राणे के साथ फिल्म एक दीवाने की दीवानीयत में भी देखा जाएगा।

मुंबई में सुमोना चक्रवर्ती पर दिनदहाड़े हमला

टीवी की लोकप्रिय अभिनेत्री सुमोना चक्रवर्ती ने मुंबई की सड़कों पर अपने साथ हुई एक चौंकाने वाली घटना का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि मराठा आरक्षण के लिए विरोध कर रही एक भीड़ ने दिनदहाड़े उनकी कार को घेर लिया और उनके साथ बदसलूकी की। सबसे दुख की बात यह है कि यह सब पुलिस की मौजूदगी में हुआ, लेकिन कोई भी मदद के लिए आगे नहीं आया।सुमोना ने अपने इंस्टाग्राम पर एक लंबा-चौड़ा पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने पूरी घटना का विवरण दिया। उन्होंने लिखा, कल दोपहर 12:30 बजे। मैं कोलाबा से फोर्ट जा रही थी। अचानक मेरी कार को एक भीड़ ने रोक लिया। नारंगी रंग का स्टोल पहने एक आदमी मेरी कार के बोनट पर जोर-जोर से मार रहा था, मुस्कुरा रहा था और अपने पेट को मेरी कार से सटा रहा था। उन्होंने आगे बताया कि वह शख्स उनके सामने बेतुके तरीके से झूम रहा था और उसके दोस्त खिड़कियों पर जय महाराष्ट्र! चिल्ला रहे थे और हंस रहे थे। यह घटना पांच मिनट के भीतर दो बार हुई, जिससे सुमोना काफी घबरा गईं।इस पूरी घटना ने सुमोना को पूरी तरह से हिला दिया। उन्होंने अपनी पोस्ट में पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने बताया कि जब यह सब हो रहा था, तब पुलिसवाले वहीं पास में बैठे थे, लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की।सुमोना ने लिखा, मुझे वीडियो रिकॉर्ड करने का मन हुआ, लेकिन जल्दी ही एहसास हुआ कि इससे वे और भड़क सकते हैं। यह जानकर डर लगता है कि चाहे आप कोई भी हों, या कहीं भी हों, कानून-व्यवस्था पल भर में ध्वस्त हो सकती है।सुमोना ने इस घटना के बाद मुंबई की सुरक्षा पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने लिखा, मैं हमेशा साउथ मुंबई में सुरक्षित महसूस करती थी।

अनुषा दांडेकर ने रिलेशनशिप में आई चुनौतियों के बारे में की बात

अनुषा ने शेयर किया अपने रिश्ते का सच

एक्ट्रेस और वीडियो जॉकी अनुषा दांडेकर ने हाल ही में सार्वजनिक रिश्तों की चुनौतियों और उनके भावनात्मक प्रभावों के बारे में खुलकर बातचीत की। अपने एक पुराने ब्रेकअप को लेकर उन्होंने शेयर किया कि कैसे उन्होंने इसे संभाला और पब्लिक स्पेस में अपनी भावनाओं को जाहिर किया। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उन्होंने बताया कि उनका यह रिश्ता बहुत पब्लिक था।

अनुषा ने कहा, जब आप राहत महसूस करते हैं, तब यह काफी आसान हो जाता है। जब आप इसे नहीं चाहते और खुद को बचा लेते हैं, तब यह आसान है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मीडिया को पूरी तरह दोष देना सही नहीं है। उनका मानना है कि हम भी जिम्मेदार हैं; हमने इसे पब्लिक बनाया। जब आप इंस्टाग्राम पर अपने रिश्ते दिखाते हैं और इसे पब्लिक करते हैं, तो आपको इसके नतीजों को भी सहना पड़ता है।

अनुषा ने क्यों बताया सबको ब्रेकअप के बारे में?

अनुषा ने बताया कि उन्होंने अपने ब्रेकअप के बारे में अपने फैंस को इसलिए बताया क्योंकि अगर उन्होंने उनके साथ रिश्ते के बारे में शेयर किया था तो उन्हें सच भी बताना चाहिए। उन्होंने कहा, आप अचानक यह नहीं कह सकते कि वे मेरे बिजनेस में क्यों हैं? हमने उन्हें इस प्रक्रिया में शामिल किया था।

क्या बताया अनुषा ने?

अनुषा और करण कुंद्रा तीन साल तक रिलेशनशिप में थे। 2020 में उन्होंने अपने ब्रेकअप के बारे में सबको बताया। दोनों ने रूझङ्क स्थ1द्द स्ष्द्धश्चश्वद्य जैसे रियलिटी शो में भी साथ काम किया था। सितंबर 2021 में अनुषा ने इंस्टाग्राम पर ÒAsk Me AnythingÓ सेशन के दौरान एक फैन के सवाल का जवाब देते हुए कहा, हम ज्यादा ईमानदारी, प्यार और खुशी के हकदार हैं और यह सेल्फ लव से शुरू होता है। इसलिए मैंने अपने लिए चुना। बस इतना ही।

परम सुंदरी ने ओपनिंग वीकेंड पर की शानदार कमाई

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर स्टारर लेटेस्ट रिलीज फिल्म 'परम सुंदरी' इस शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. फिल्म की ओपनिंग ठीक-ठाक हुई थी लेकिन इसने वीकेंड पर अच्छा कारोबार किया है. फिल्म की कमाई में शनिवार के बाद रविवार को भी तेजी देखी गई.

तुषार जलोटा निर्देशित रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'परम सुंदरी' में एक नॉर्थ के लड़के परम और साउथ की लड़की सुंदरी की प्यारी सी लव स्टोरी दिखाई गई है. परम अपनी सोलमेट से मिलने के लिए केरला पहुंचता है और यहां उसे सुंदरी से प्यार हो जाता है. इस क्रॉस कल्चर लव स्टोरी को क्रिटिक्स और ऑडियंस से मिक्स्ड रिस्पॉन्स मिला था हालांकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म कर रही है. वीकेंड पर तो फिल्म को देखने के लिए सिनेमाघरो में भीड उमड़ पड़ी. खासतौर पर इस मूवी को दिल्ली, यूपी और साउथ इंडिया में पसंद किया जा रहा है. इसी के साथ इसने रिलीज के तीन दिन में अच्छी कमाई कर ली है.

फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो 'परम सुंदरी' ने रिलीज के पहले दिन 7.25 करोड़ कमाए थे.दूसरे दिन इसकी कमाई में 27.59 फीसदी का इजाफा हुआ और इसने 9.25 करोड़ का कलेक्शन किया.वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'परम सुंदरी' ने रिलीज के तीसरे दिन यानी पहले संडे को 10.25 करोड़ कमाए हैं.इसी के साथ 'परम सुंदरी' की तीन दिन की कुल कमाई 26.75 करोड़ रुपये हो गई है.

'परम सुंदरी' ने 2025 की इन फिल्मों के ओपनिंग वीकेंड कलेक्शन को दी मात

'परम सुंदरी' ने वीकेंड पर गर्दा उड़ा दिया है. फिल्म के कलेक्शन में तो जबरदस्त उछाल देखा ही गया इसी के साथ इसने साल 2025 महावतार नरसिम्हा, सन ऑफ सरदार 2 सहित कई फिल्मों के ओपनिं वीकेंड कलेक्शन को भी मात दे दी है. कोईमोई के आंकड़ों के मुताबिक 'परम सुंदरी' ने फिल्मों को ओपनिंग डे पर मात दी है.

सन ऑफ सरदार 2- 24.75 करोड़ रुपये
धड़क 2-11.97 करोड़ रुपये
महावतार नरसिम्हा- 16.56 करोड़ रुपये
निकिता रॉय- 86 लाख रुपये
मालिक- 15.02 करोड़ रुपये
आँखों की गुस्ताखियां- 1.26 करोड़ रुपये
मेट्रो इन दिनों- 18.65 करोड़ रुपये
मां- 18.43 करोड़ रुपये
केसरी वीर- 88 लाख रुपये
कंपकंपी- 92 लाख रुपये
द भूतनी- 4.72 करोड़ रुपये
फुले-1.05 करोड़ रुपये
ग्राउंड जीरो- 5.20 करोड़ रुपये
द डिप्लोमैट- 13.45 करोड़ रुपये
क्रेजी-4.25 करोड़ रुपये
सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव-1.82 करोड़ रुपये
मेरे हसबैंड की बीवी-5.28 करोड़ रुपये
बैडएस रवि कुमार-9.72 करोड़ रुपये
लवयापा-4.75 करोड़ रुपये
देवा-19.43 करोड़ रुपये
इमरजेंसी-12.26 करोड़ रुपये
आजाद-4.75 करोड़ रुपये
फतेह-10.71 करोड़ रुपये।

परम सुंदरी का बजट कितना है?

मैडॉक फिल्म्स ने इस रोमांटिक कॉमेडी का निर्माण लगभग 60 करोड़ रुपये की लागत से किया है. दो दिनों में ही इसने अपने बजट का लगभग तकरीबन 30% वसूल कर लिया है. अभी तक इसकी स्पीड अच्छी है, लेकिन 5 सितंबर, 2025 को इसे बागी 4 से कड़ी टक्कर मिलनी शुरू हो जाएगी. सिद्धार्थ मल्होत्रा ??और जाह्नवी कपूर अपनी फिल्मोग्राफी में कोई और सफलता जोड़ पाते हैं या नहीं, यह तो समय ही बताएगा.

फिटनेस टेस्ट से गुजरे रोहित शर्मा

एशिया कप से पहले शुभमन गिल समेत ये खिलाड़ी भी पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट कप्तान और टी20 उपकप्तान शुभमन गिल एशिया कप 2025 की तैयारियों और फिटनेस टेस्ट के लिए बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंच गए हैं. गिल के साथ-साथ वनडे के कप्तान रोहित शर्मा और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज भी प्री-सीजन फिटनेस टेस्ट के लिए सीओई में पहुंचे हैं. भारतीय टीम के सदस्य 4 सितंबर को दुबई में इकट्ठा होंगे, ताकि 9 सितंबर को मेजबान संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ टूर्नामेंट के पहले मैच की तैयारी कर सकें.

38 साल के रोहित शर्मा, जो टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, वो भी सीओई में फिटनेस टेस्ट के लिए पहुंचे हैं. यह प्रक्रिया रविवार तक पूरी हो सकती है, और यह देखना रोचक होगा कि रोहित, जो अब केवल वनडे फॉर्मेट में खेलते हैं, नए सीजन की शुरुआत कैसे करते हैं. रोहित अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जा सकते हैं. इस फिटनेस

टेस्ट के दौरान खिलाड़ियों को ब्रोंको टेस्ट और यो-यो टेस्ट से गुजरना है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, खिलाड़ियों के पहले दिन के टेस्ट हो गए हैं.

वहीं, रविवार को दूसरे दिन के टेस्ट होंगे और फिर नतीजे सामने आ जाएंगे. गिल को हाल ही में वायरल बुखार के कारण चल रहे दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में ईस्ट जोन के खिलाफ नॉर्थ जोन की कप्तानी करने से चूकना पड़ा था. वह चंडीगढ़ में अपने घर पर बीमारी से उबर रहे थे और अब पूरी तरह ठीक होने के बाद बेंगलुरु पहुंचे हैंय इस बार खिलाड़ी अलग-अलग जगहों से दुबई पहुंचेंगे, जो कि पहले की परंपरा से अलग है, जब पूरी टीम मुंबई से एक साथ यात्रा करती थी.

संभावना है कि गिल बेंगलुरु से सीधे दुबई के लिए उड़ान भर सकते हैं. दूसरी ओर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी टेस्ट के लिए पहुंचे हैं, जो एशिया कप खेलने वाले हैं.

ये खिलाड़ी भी पहुंचे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

गिल के अलावा, विकेटकीपर-बल्लेबाज जीतेश शर्मा भी प्री-टूर्नामेंट तैयारियों के लिए सीओई पहुंच गए हैं. शार्दूल ठाकुर भी प्री-सीजन टेस्ट के लिए जल्द ही सीओई गए हैं. शार्दूल ठाकुर दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में वेस्ट जोन की कप्तानी करेंगे, जबकि जायसवाल और सुंदर, जो एशिया कप के लिए स्टैंडबाय लिस्ट में हैं, घरेलू सीजन के आखिरी चार मैचों में भी हिस्सा लेंगे.

अश्विन का विदेशी लीग्स में खेलने की अफवाहें के बीच खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के बाद हाल ही में आधिकारिक तौर पर आईपीएल से भी संन्यास ले लिया है। जहां आईपीएल से संन्यास के बाद अश्विन के विदेशी लीग्स में खेलने की अफवाहें उड़ रही थी वहीं अब अश्विन ने खुलासा किया है कि कोचिंग उनका भविष्य हो सकता है। 38 वर्षीय अश्विन ने अपना आईपीएल करियर चेन्नई सुपर किंग्स के साथ समाप्त किया। अपने यूट्यूब चैनल ऐश की बात पर अश्विन ने खुलासा किया कि कोचिंग ही उनका भविष्य है।

अश्विन ने कहा, मैं बहुत आवेगशील व्यक्ति हूं। जब मैं किसी चीज में दृढ़ विश्वास रखता हूं, तो उसके पीछे भागता हूं। अब मैं खेल में आनंद के पीछे भाग रहा हूं। मेरा अगला अध्याय शायद कोचिंग हो सकता है। इसके लिए मैं इसे एक बहुत ही महत्वपूर्ण साधन मानता हूं। मुझे विश्वास है कि खेल मुझे इसके लिए तैयार कर रहा है।

दिलचस्प बात यह है कि अश्विन ने खुलासा किया कि राजस्थान रॉयल्स के साथ अपने कार्यकाल के दौरान उनके खिलाड़ी और कोच की दोहरी भूमिका निभाने पर भी चर्चा हुई थी। उन्होंने आगे कहा, दरअसल, जब मैं राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल रहा था, तब हमने इस विषय (कोच-कम-खिलाड़ी) पर चर्चा की थी। मैं नाम नहीं लूंगा क्योंकि यह मेरे लिए सही नहीं होगा। लेकिन हमने इस बारे में चर्चा की थी कि क्या कोई क्रिकेटर के रूप में खेलते हुए एक ही समय में कोचिंग की भूमिका भी निभा सकता है। यह बात आगे नहीं बढ़ी।

थप्पड़कांड वीडियो विवाद पर ललित मोदी का श्रीसंत की पत्नी को जवाब, बोले- मैंने सच साझा किया

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर श्रीसंत की पत्नी भुवनेश्वरी ने हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी और पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क को आड़े हाथों लिया था, क्योंकि उन्होंने 2008 आईपीएल स्लैप-गेट विवाद का अनदेखा वीडियो सार्वजनिक किया। यह घटना श्रीसंत और हरभजन सिंह के बीच हुई थी। अब ललित मोदी ने भुवनेश्वरी की आलोचना का जवाब दिया है।

यह विवाद तब शुरू हुआ, जब एक पॉडकास्ट के दौरान मोदी और क्लार्क आईपीएल के पुराने किस्सों पर चर्चा कर रहे थे। इसी दौरान ललित मोदी ने वह अनदेखा क्लिप जारी किया, जिसमें मैच खत्म होने के बाद हैंडशेक के दौरान हरभजन सिंह, श्रीसंत को थप्पड़ मारते नजर आए। इस घटना के चलते हरभजन पर 11 मैचों का प्रतिबंध लगा था। ललित मोदी ने आईएएनएस को बताया, मुझे नहीं पता कि वह (श्रीसंत की पत्नी भुवनेश्वरी) क्यों नाराज हैं। मुझसे एक सवाल पूछा गया था, और मैंने सच बता दिया। मैं इसमें कुछ नहीं कर सकता। मैं सच बोलने के लिए जाना जाता हूं। श्रीसंत विक्टिम थे और मैंने वही कहा। इससे पहले किसी ने मुझसे यह सवाल नहीं किया था, इसलिए जब क्लार्क ने पूछा तो मैंने जवाब दिया।

मोदी ने माइकल क्लार्क को यह भी समझाया कि यह क्लिप उनकी सिक्योरिटी कैमरा फुटेज से मिली थी, क्योंकि उस समय ब्रॉडकास्टर ने अपने कैमरे बंद कर दिए थे। वीडियो में दिखता है कि पोस्ट-मैच हैंडशेक के दौरान हरभजन ने श्रीसंत को बुलाया और फिर थप्पड़ मार दिया। हालांकि, हरभजन ने इस घटना के लिए कई बार सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगी। हालांकि, बाद में दोनों खिलाड़ियों ने विवाद को पीछे छोड़ दिया। इसके बाद दोनों कमेंट्री पैनल और विज्ञापनों में भी नजर आए। इससे पहले, भुवनेश्वरी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में इस घटना की आलोचना करते हुए इसे घृणित, हृदयहीन और अमानवीय बताया था। भुवनेश्वरी ने लिखा, ललित मोदी और माइकल क्लार्क, आपको शर्म आनी चाहिए। श्रीसंत और हरभजन दोनों ही जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं और अब स्कूल जाने वाले बच्चों के पिता हैं, फिर भी आप पुराने जख्मों को कुरेदने की कोशिश कर रहे हैं। बेहद घिनौना, बेरहम और अमानवीय। श्रीसंत ने भी इंस्टाग्राम पर उनके पोस्ट को रीशेयर किया था।

कीरोन पोलार्ड का जश्न 24 घंटे भी नहीं चला

एक ही दिन में आगे निकल गए इंग्लैंड के एलेक्स हेल्स

तरौबा, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग के दौरान कीरोन पोलार्ड ने टी20 क्रिकेट में अपने 14000 रन पूरे किए। अब एक दिन बाद ही इंग्लैंड के एलेक्स हेल्स के भी टी20 में 14 हजार रन हो गए हैं। हेल्स भी इसी लीग में खेल रहे हैं और पोलार्ड की टीम त्रिबानगो नाइट राइडर्स का ही हिस्सा हैं। हेल्स ने गुयाना अमेजन वॉरियर्स के खिलाफ हुए मुकाबले में 74 रनों की पारी खेली। इसी पारी के दौरान उनके 14 हजार रन पूरे हो गए।

हेल्स 14 हजार रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज

एलेक्स हेल्स टी20 क्रिकेट में 14 हजार रन बनाने वाले दुनिया के तीसरे और इंग्लैंड के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। हेल्स और पोलार्ड से पहले वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम इस फॉर्मेट में 14000 रन थे। 36 साल के हेल्स ने 2009 में टी20 डेब्यू किया था। अभी तक 505 पारियों में उन्होंने 30 की औसत से 14024 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 7 शतक और 89 अर्धशतक निकले। टी20 में उनका स्ट्राइक रेट 145.44 का है। हेल्स सबसे ज्यादा टी20 रन बनाने वाले एक्टिव बल्लेबाज भी बन गए हैं।

रनों में पोलार्ड से आगे निकले हेल्स

एलेक्स हेल्स टी20 में रन बनाने के मामले में कीरोन पोलार्ड से आगे निकल गए हैं। पोलार्ड पोलार्ड ने गुनाया के खिलाफ मैच में 12 रन बनाए। इस तरह उनके इस फॉर्मेट में 14012 रन हैं। वहीं हेल्स के 14024 रन हो गए हैं। क्रिस गेल के सबसे ज्यादा 14562 रन हैं। गेल ने 2022 के बाद टी20 नहीं खेला है। ऐसे में पोलार्ड और हेल्स दोनों के पास ही टॉप पर जाने का मौका है।

मैग्नस कार्लसन 8 महीने पहले जिस कारण मुकाबले से हुए बाहर, FIDE ने उस नियम में किया बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। शतरंज की नियम बनाने वाली 101 साल पुरानी संस्था इंटरनेशनल चेस फेडरेशन, फिडे ने अपने ड्रेस कोड में ढील दी है। उसने खिलाड़ियों को आगामी ग्रैंड स्विस और महिला ग्रैंड स्विस टूर्नामेंटों में उपयुक्त जींस पहनने की अनुमति दी है। फिडे का यह कदम मैग्नस कार्लसन के 'जींस पहनने' विवाद के आठ महीने बाद आया है। मौजूदा पीढ़ी के शतरंज के सबसे महान खिलाड़ी कार्लसन ने जींस पहनने के लिए जुर्माना लगने के बाद फिडे वर्ल्ड रैपिड चैंपियनशिप को बीच में ही छोड़ दिया था। कार्लसन ने कहा था कि उन्होंने सिद्धांत के आधार पर इस टूर्नामेंट को छोड़ दिया था। उन्होंने बाद में उस विशेष जींस को ईबे पर एक ऑनलाइन नीलामी में 31 लाख रुपये (36,100) में बेच दिया।

ड्रेस कोड में बदलाव: ड्रेस कोड में बदलाव के बाद भी कार्लसन के उज्बेकिस्तान के समरकंद में 3 से 16 सितंबर तक होने वाले ग्रैंड स्विस इवेंट में खेलने की संभावना नहीं है, लेकिन शुक्रवार (29 अगस्त) को प्रकाशित संशोधित फिडे नियमों का मतलब है कि अन्य खिलाड़ियों को तीन रंगों नीले, काले और भूरे रंग की नॉन-डिस्ट्रेस्ड जींस पहनकर खेलने की अनुमति होगी।

जींस पहनने की अनुमति: फिडे के एक बयान में कहा गया है, आधिकारिक ड्रेस कोड के तहत अब उपयुक्त जींस पहनने की अनुमति है। यह बदलाव खिलाड़ियों को ज्यादा आराम और अपनी पसंद चुनने की आजादी देता है।

विश्वनाथन आनंद ने बताया नियमों में बदलाव की वजह: फिडे के उपाध्यक्ष और पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने शनिवार को बताया कि शतरंज संस्था ने कई खिलाड़ियों से सलाह-मशविरा करने के बाद यह फैसला लिया।

अक्षर पटेल से छिनेगी दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी !

इन प्लेयर्स में किसी को मिल सकता है मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग में बदलावों का दौर चल रहा है। ट्रेड विंडो के तहत कई तरह की बातचीत और कुछ बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। वहीं अब दिल्ली कैपिटल्स में अक्षर पटेल को कप्तानी से हटाने की खबरे सामने आई हैं। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल 2026 से पहले एक नए कप्तान पर विचार कर रही है। इससे टीम में केएल राहुल या फाफ डु प्लेसिस जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों के लिए भूमिका खुल जाती है। फिलहाल फ्रैंचाइजी की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

डीसी कप्तानी के लिए 3 सर्वश्रेष्ठ दावेदार

फाफ डु प्लेसिस: फाफ डु प्लेसिस का नाम इस भूमिका के लिए दूसरे सबसे अच्छे उम्मीदवार के रूप में सामने आता है। दक्षिण अफ्रीकी दिग्गज ने अपनी राष्ट्रीय टीम के अलावा दुनिया भर की विभिन्न लीगों में कई फ्रैंचाइजी का नेतृत्व किया है। अनुभव की बात करें तो डु प्लेसिस के पास इसकी कोई कमी नहीं है और वह टीम को इतिहास के अब तक के सर्वश्रेष्ठ सीजन तक ले जा सकते हैं।

केएल राहुल: भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल टीम के सबसे वरिष्ठ सदस्यों में से एक हैं। आईपीएल 2025 में वह उनकी बल्लेबाजी का अहम हिस्सा थे। टीम में राहुल के महत्व और फ्रैंचाइजी तथा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में कप्तानी का अनुभव होने के कारण, यह भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी उनके लिए सबसे अच्छा विकल्प लग रहा है।

ट्रिस्टन स्टब्स: दक्षिण अफ्रीकी युवा खिलाड़ी आईपीएल 2025 के दौरान दिल्ली कैपिटल्स टीम के सबसे महत्वपूर्ण बल्लेबाजों में से एक थे। ट्रिस्टन स्टब्स कैपिटल्स के लिए एक दीर्घकालिक निवेश प्रतीत होते हैं। आगे चलकर कैपिटल्स उन्हें एक लीडर के रूप में प्रोजेक्ट कर सकते हैं और उनके इर्द-गिर्द टीम बना सकते हैं।

CPL 2025: एक ही मैच में 2 हैट्रिक से चूककर भी छाए इमरान ताहिर, 46 की उम्र में वो किया, जो कोई सोच भी नहीं सकता

नई दिल्ली, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग 2025 में इमरान ताहिर एक ही मैच में 2 बार हैट्रिक लेने से चूक गए. हालांकि, उससे चूकते हुए 46 साल के गेंदबाज ने वो किया, जिसके बारे में कोई इतनी उम्र में करने की सोच भी नहीं सकता. उन्होंने सीपीएल 2025 में अपने नाम का डंका बजाया.

मुकाबला गयाना अमेजन वॉरियर्स और ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के बीच था. इसी मैच में गयाना की ओर से खेल रहे इमरान ताहिर नाइट राइडर्स के खिलाफ एक नहीं दो बार हैट्रिक लेने से चूकते दिखे. ऐसा कैसे हुआ, आइए जानते हैं. हुआ ये कि मुकाबले में गयाना अमेजन वॉरियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 163 रन बनाए. जवाब में 164 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नाइट राइडर्स ने बड़ी जोरदार शुरुआत की. हेल्स और मुनरो की ओपनिंग जोड़ी के बीच पहले 10 ओवर में शतकीय साझेदारी हुई. मगर उसके बाद 11वां ओवर डालने इमरान ताहिर आए.

ऐसे चूकी पहली हैट्रिक

46 साल के इस लेग स्पिनर ने मैच में डाले अपने तीसरे और नाइट राइडर्स की इनिंग के 11वें ओवर की तीसरी और चौथी गेंद पर कॉलिन मुनरो और निकोलस पूरन को आउट कर दिया. उसके बाद सबकी निगाहें ओवर की 5वीं गेंद पर जम गई. मगर ताहिर को उस पर सफलता नहीं मिली और वो इस मैच में पहली दफा हैट्रिक से चूक गए.

ऐसे दूसरी हैट्रिक से भी चूके

इमरान ताहिर के पास हैट्रिक लेने का एक और मौका आया. उन्होंने अपने तीसरे और नाइट राइडर्स की इनिंग के 11वें ओवर को विकेट के साथ खत्म किया. आखिरी गेंद पर उन्होंने कार्टी को आउट किया. इसके बाद

जब वो अपना अगला यानी कि चौथा और नाइटराइडर्स की इनिंग का 15वां ओवर डालने आए तो उन्होंने पहली ही गेंद पर एलेक्स हेल्स को चलता कर दिया. मतलब, अब एक बार फिर से इमरान ताहिर हैट्रिक पर थे. उन्होंने इस बार भी कोशिश भरपूर की. अपने कोटे के आखिरी और नाइट राइडर्स की इनिंग के 15वें ओवर की दूसरी गेंद पर उन्होंने पोलार्ड को बीट भी किया. मगर वो बच गए. और, इस तरह मैच में दूसरी बार इमरान ताहिर अपने हैट्रिक से चूकते दिखे.

इमरान ताहिर रहे विकेट लेने वाले टीम के इकलौते गेंदबाज

दो बार हैट्रिक से चूके इमरान ताहिर नाइट राइडर्स के खिलाफ गयाना के सबसे सफल गेंदबाज रहे. वो इकलौते गेंदबाज रहे जिन्होंने गयान की ओर से इस मैच में विकेट लिए. 46 साल के लेग स्पिनर इमरान ताहिर ने नाइट राइडर्स के खिलाफ 4 ओवर में 27 रन देकर 4 विकेट झटके. हालांकि, ताहिर के अलावा बाकी गेंदबाजों की नाकामी गयाना को भारी पड़ी और उसने 6 विकेट से मैच गंवा दिया.

उम्र 46 की, फिर भी 2025 में सबसे ज्यादा विकेट

इमरान ताहिर पीएसएल और द हंड्रेड में हैट्रिक ले चुके हैं. सीपीएल 2025 में दो बार उनके लिए मौका बना मगर वो चूक गए. हालांकि, इस चूक के बाद भी इमरान ताहिर सीपीएल 2025 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए. उनके नाम अब तक 12 विकेट हैं. युवाओं का खेल कहे जाने वाले टी-20 क्रिकेट में 46 साल के गेंदबाज के लिए ये एक बड़ी बात है.

ट्रंप टैरिफ से कोविड स्टाइल में निपटेगी मोदी सरकार फिर लागू हो सकती हैं लॉकडाउन वाली योजनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 फीसदी का टैरिफ लागू कर दिया है। इस टैरिफ का सीधा असर भारतीय निर्यातकों और कामगारों पर पड़ने वाला है। वहीं टैरिफ से लाखों नौकरियों पर भी खतरा मंडरा रहा है। हालांकि डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ बम से बचने का रास्ता मोदी सरकार ने निकाल लिया है। कोविड लॉकडाउन के दौरान जिस तरह की योजनाएं लागू की गई थीं, कुछ उसी स्टाइल में सरकार लोगों को राहत देने की योजना बना रही है। इसके अलावा अमेरिका से अलग बाजार तलाशने और ग्लोबल सप्लाई चेन के एकीकरण के लिए लंबी अवधि की रणनीतियों पर काम किया जा रहा है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक दो सीनियर अधिकारियों ने बताया कि सरकार सबसे पहले नकदी की समस्या का समाधान निकालने पर विचार कर रही है। वहीं निर्यात और रोजगार बचाने के लिए सरकार कोविड स्टाइल में योनजाएं चलाना चाहती है। ट्रंप के टैरिफ की वजह से कई तरह के दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। जैसे कि भुगतान में देरी, देर से सामान का पहुंचना, ऑर्डर रद्द होना। वहीं निर्यात को बरकरार रखने के लिए नई मार्केट की जरूरत है। जब तक नई मार्केट नहीं मिलती, निर्यातकों को ऑपरेशन जारी रखने के लिए राहत देना जरूरी है।

सरकार कर सकती है राहत पैकेज का ऐलान

अधिकारियों के मुताबिक सरकार ने कोरोना लॉकडाउन के दौरान जिस तरह के राहत पैकेज का ऐलान किया था, उसी तरह के राहत पैकेज का एक बार फिर ऐलान हो सकता है।

उद्योगों में नकदी की समस्या, खास तौर पर लघु और मध्यम उद्योगों के लिए इस तरह की योजनाएं जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार इमर्जेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम जैसी योजनाओं पर फोकस करना चाहती है जो कि 100 फीसदी गारंटी के साथ बिना जमानत के लोन उपलब्ध करवा सकें। इससे लाखों छोटे और मध्यम उद्योग दीवालिया होने से बच जाएंगे। लॉकडाउन के दौरान जब 68 दिनों के लिए औद्योगिक गतिविधियां ठप हो गई थीं, तब इसी योजना ने उद्योगों को बचा लिया था। अधिकारियों का कहना है कि मौजूदा समस्या और उसके समाधान को देखते हुए इन योजनाओं में बदलाव किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि तत्काल राहत के साथ सरकार चरणबद्ध तरीके से भी योजानाएं लागू करेगी जिससे लंबी अवधि की रणनीति तैयार हो सके। नकदी उपलब्ध करवाने के साथ ही मौजूदा व्यापार समझौतों को मजबूत करने और नई मार्केट में अवसरों की तलाश का काम भी तेज होगा।

जीएसटी से भी राहत

अधिकारियों ने कहा कि टैक्स से जुड़ी भी कई राहत देने पर सरकार विचार कर रही है। इसमें जीएसटी रिफॉर्म भी शामिल है। अगले सप्ताह होने वाली जीएसटी काउंसिल की बैठक में टैक्स घटाने से संबंधित कई फैसले हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि घरेलू स्तर पर मजबूती की वजह से भारत की अर्थव्यवस्था को खतरा नहीं है। टैरिफ जैसे बाहरी फैक्टर भारत की अर्थव्यवस्था को ज्यादा प्रभावित नहीं कर पाएंगे।

जीडीपी में निर्यात का मामूली योगदान

अधिकारियों ने कहा कि घरेलू उपभोग की वजह से अर्थव्यवस्था लचीली है। निर्यात अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है लेकिन यह भारत की जीडीपी 4.12 ट्रिलियन डॉलर का छोटा हिस्सा है। निर्यात का जीडीपी में योगदान केवल 10 फीसदी यानी 438 मिलियन डॉलर का ही है। ऐसे में जून में समाप्त होने वाली तिमाही में भी आर्थिक वृद्धि दर 7.8 फीसदी रही।

धनखड़ को अभी तक नहीं मिला सरकारी बंगला, प्राइवेट घर में होंगे शिफ्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ इस्तीफा देने के बाद अभी भी उपराष्ट्रपति के आधिकारिक आवास में ही रह रहे हैं। उन्हें अभी तक नया सरकारी बंगला नहीं मिला है। इसकी प्रक्रिया अभी भी जारी है। इस बीच खबर आ रही है कि वह जल्द ही दक्षिण दिल्ली के छतरपुर एनक्लेव स्थित निजी आवास में शिफ्ट हो सकते हैं। आपको बता दें कि धनखड़ ने 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दिया था। 9 सितंबर को उपराष्ट्रपति पद का चुनाव होना है और उससे पहले उन्हें संसद भवन परिसर के पास चर्च रोड स्थित उपराष्ट्रपति आवास खाली करना होगा। धनखड़ पिछले वर्ष अप्रैल से उपराष्ट्रपति आवास में रह रहे थे। लेकिन अब तक उन्हें सरकारी आवास आवंटित नहीं किया गया है। नियमों के अनुसार, पूर्व राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को टाइप-8 बंगला दिया जाता है। इसका प्रबंधन आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय करता है। सूत्रों ने बताया कि मंत्रालय के अधिकारी धनखड़ से मिले थे, लेकिन अगले आवास को लेकर चर्चा आगे नहीं बढ़ पाई। ऐसे में धनखड़ ने अंतरिम व्यवस्था के रूप में छतरपुर एनक्लेव का निजी मकान चुना है।

सरकारी आवास की प्रक्रिया में वक्त लगेगा : धनखड़ के दफ्तर ने मंत्रालय को औपचारिक अनुरोध भेज दिया है। इंडियन एक्सप्रेस ने अपनी एक रिपोर्ट में एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से कहा, जब अनुरोध प्राप्त होता है तो उपलब्ध विकल्प पूर्व उपराष्ट्रपति को दिखाए जाते हैं। चयन के बाद सीपीडब्ल्यूडी जरूरी मरम्मत और संशोधन का काम शुरू करती है। इस पूरी प्रक्रिया में आमतौर पर कम से कम तीन महीने लग जाते हैं।

पेंशन की प्रक्रिया शुरू : इस बीच, धनखड़ ने राजस्थान विधानसभा सचिवालय में पूर्व विधायक पेंशन के लिए भी आवेदन किया है। वह 1993 से 1998 तक किशनगढ़ से विधायक रहे थे। सूत्रों के अनुसार, सचिवालय ने उनकी फाइल पर प्रक्रिया शुरू कर दी है। धनखड़ को पहले बतौर विधायक 35,000 रुपये मासिक पेंशन मिलती थी। नियमों के मुताबिक 70 वर्ष से अधिक आयु होने पर पेंशन में 20 की वृद्धि की जाती है।

संक्षिप्त समाचार

4 शहरों के बीच भी चलेगी बुलेट ट्रेन, सर्वे का आदेश

बेंगलुरु, एजेंसी। देश में बुलेट ट्रेन नेटवर्क के विस्तार की दिशा में सरकार तेजी से काम कर रही है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को घोषणा की कि दक्षिण भारत में बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए सर्वे का आदेश दिया गया है। नायडू ने कहा कि प्रस्तावित बुलेट ट्रेन नेटवर्क दक्षिण भारत के चार बड़े शहरों हैदराबाद, चेन्नई, अमरावती और बेंगलुरु को जोड़ेगा। उन्होंने कहा, बहुत जल्द दक्षिण भारत में बुलेट ट्रेन आने वाली है। इसके लिए सर्वे का आदेश दे दिया गया है। हैदराबाद, चेन्नई, अमरावती और बेंगलुरु–इन चार शहरों की आबादी पांच करोड़ से अधिक है और यह दुनिया का सबसे बड़ा बाजार है। इसी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान की राजधानी टोक्यो से सेंदाई तक बुलेट ट्रेन में यात्रा की। उनके साथ जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा भी मौजूद थे। टोक्यो स्थित जापानी दैनिक द योमिउरी शिम्बुन को दिए इंटरव्यू में पीएम मोदी ने कहा कि भारत ने देशभर में 7,000 किलोमीटर लंबा हाई-स्पीड रेल नेटवर्क विकसित करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा, मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल परियोजना प्रगति पर है। हमने इससे भी बड़ा सपना रखा है। देशभर में 7,000 किलोमीटर का हाई-स्पीड रेल नेटवर्क बनाना है। हम मुंबई-अहमदाबाद कॉरिडोर पर अगले कुछ वर्षों में यात्री सेवाएं शुरू करने का लक्ष्य रखते हैं। राष्ट्रीय रेल योजना में पहले से ही कई संभावित हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर का उल्लेख किया गया है। इनमें दिल्ली-वाराणसी, दिल्ली - अहमदाबाद, मुंबई - नागपुर, मुंबई - हैदराबाद, चेन्नई - मैसूर, दिल्ली - अमृतसर और वाराणसी - हावड़ा जैसे रूट शामिल हैं।

पति का गला दबाकर मौत के घाट उतारने वाली पत्नी गिरफ्तार, रस्सी बांधकर लटकाना था शव और फिर...

मुजफ्फरनगर, एजेंसी। संपत्ति के लालच में आकर पति की हत्या करने वाली पत्नी कविता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी दिनेशचंद बघेल ने बताया कि 29 जुलाई को भोपाल सिंह निवासी गांव टांडा माजरा थाना बुढ़ाना ने पुलिस को सूचना दी उसके बेटे संजय की हत्या उसकी पत्नी कविता ने की है। पुलिस ने कविता निवासी रार्धना थाना सरधना मेरठ को गिरफ्तार कर लिया। उसने बताया कि पति संजय की पहले भी शादी हो चुकी थी। वर्ष 2000 में उसकी संजय निवासी सैनिक विहार एटूजेड थाना नई मंडी से शादी हुई थी। उसे डर था कि वह सारी सम्पत्ति पहली पत्नी के बच्चों को दे देगा। 26 जुलाई की रात्रि सो रहे पति की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या को आत्महत्या दर्शाने पति रस्सी से बांधकर लटकाने का प्रयास किया। उसके पति का बेटा नीशू आ गया। उसने पति को नीचे उतारकर दिल का दौरा पडने का ड्रामा रच दिया। ससुराल पक्ष के लोग शव को पैतक गांव टांडा माजरा में चले गये, चोट के निशान देखकर पुलिस को मामले की सूचना दी। भावनपुर क्षेत्र के एक गांव निवासी जूनियर इंजीनियर अशोक ने कुछ समय पूर्व एक युवती के साथ अश्लील हरकतें करते हुए उसके फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए थे। युवती के परिजनों ने जानकारी थाना पुलिस को देते हुए तहरीर दी थी। सीओ सदर देहात शिव प्रताप सिंह ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करते हुए गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

यूरिया को लेकर विवाद, दारोगा ने किसान को मारा थप्पड़, वायरल वीडियो देख भड़के लोग

नारायणपेट, एजेंसी। तेलंगाना के नारायणपेट जिले में दारोगा ने यूरिया को लेकर हुए विवाद के दौरान एक किसान को थप्पड़ मार दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसे देखने के बाद लोगों का गुस्सा भड़क गया और विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। यह घटना शनिवार को तिलेरु में प्राथमिक कृषि सहकारी समिति में हुई। सुबह से ही बड़ी संख्या में किसान यूरिया खरीदने के लिए जमा हुए थे। स्टॉक कम होने और मांग अधिक होने के कारण किसानों में कमी को लेकर निराशा बढ़ गई, जिससे तनाव पैदा हो गया। रिपोर्ट के अनुसार, किसानों ने अधिकारियों से पर्याप्त यूरिया बैग की व्यवस्था करने की मांग रखी। इस दौरान भीड़ बेकाबू होती जा रही थी जिसे नियंत्रित करने में पुलिस को कठिनाई होने लगी।

भगवान से बदला ले रहा था, 10 साल से मंदिरों में चोरी कर रहा था शख्स

दुर्ग, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में और उसके आसपास के मंदिरों से पिछले एक दशक से हो रही चोरियों का आरोपी को आखिरकार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 45 साल का ये शख्स मंदिरों के दानपात्रों के ताले तोड़कर पैसे चुराता था और बिना कोई सबूत छोड़े गायब हो जाता था। उसका कहना है कि वह भगवान से बदला लेने के लिए इन चोरियों को अंजाम देता था।

रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी एचआईवी पॉजिटिव है। 2012 में एक मारपीट के मामले में जेल की सजा काटते समय उसे ये बीमारी हो गई और तभी से भगवान पर से उसका विश्वास उठ गया। उसने कहा कि भगवान को उनकी जगह दिखान के लिए मैंने मंदिरों को निशाना बनाने का फैसला किया। रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी ने दुर्ग और आसपास के इलाकों में मौजूद मंदिरों से 10 चोरियों की बात स्वीकार की है। हालांकि पुलिस को शक है इसमें और भी लोग शामिल हो सकते हैं। पुलिस ने बताया कि उसका चोरी का तरीका एक ही तरह का था। वह केवल दानपेटियों से कैश चुराता था। गहनों को छूता भी नहीं था। सीसीटीवी फुटेज में पहचाने जाने से बचने के लिए वह हर चोरी से पहले और बाद में कपड़े बदल लेता था, और अपना जुपिटर स्कूटर हमेशा घटनास्थल से दूर खड़ा करता था। चोरी का ताजा मामला 23-24 अगस्त का है जब आरोपी ने जैन मंदिर में चोरी की थी। इसके अगले दिन उसे पूछताछ के लिए उठाया गया और फिर गिरफ्तार कर लिया गया।

कैसे पकड़ा गया आरोपी

रिपोर्ट के मुताबिक जैन मंदिर में चोरी के बाद पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू किए और त्रिनयन ऐप के ज़रिए उसकी गतिविधियों पर नज़र रखी। मुखबिरों को भी तैनात किया गया। सीसीटीवी कैमरे से क्लू मिलने के बाद आरोपी के घर का पता लगा लिया गया। कई बार कपड़े बदलने और कैमरों से बचने के लिए संकरी गलियों का इस्तेमाल करने के बावजूद, पुलिसउसकी गतिविधियों का पता लगाने में कामयाब रहे। फिर उसे घेर लिया गया और पकड़ लिया गया। पूछताछ के दौरान उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने 2012 में जेल से रिहा होने के तुरंत बाद मंदिरों को निशाना बनाना शुरू कर दिया था। वह पहले मंदिर की रेकी करता, अगले दिन अपने स्कूटर पर वापस आता, कुछ दूरी पर पार्क करता, कपड़े बदलता और फिर अंदर घुस जाता। चोरी के बाद, वह गलियों से भाग जाता, फिर से कपड़े बदलता और घर चला जाता।

प्रदेश का खजाना खाली है, बहुत ज्यादा कर्ज में डूबा है राजस्थान: उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी

जैसलमेर, एजेंसी। राजस्थान की वित्त मंत्री और उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी का कहना है कि पिछली सरकार ने हमें विरासत में राजस्थान का खाली खजाना सौंपा है और प्रदेश बहुत ज्यादा कर्ज में डूबा हुआ है, जिसे हम लोग लगातार बाहर निकालने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें टूटी हुई सड़कें मिली थीं, जिन्हें आने के बाद से ही हम ठीक करने के काम में जुटे हुए हैं।

दीया कुमारी ने कहा कि पिछली सरकार अगर अच्छी होती तो वह राजस्थान से जाती ही नहीं। उपमुख्यमंत्री ने यह सारी बातें शनिवार को जैसलमेर में मीडिया से बात करते हुए कहीं। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा, पिछली सरकार तो वैसी ही थी, जैसी हम सब जानते हैं, अगर अच्छी होती तो शायद वह राजस्थान से जाते ही नहीं। लेकिन मैं उनकी बात नहीं करूंगी। एक तो वह हमारे लिए बिल्कुल खाली खजाना छोड़कर गए थे, और दूसरा राजस्थान बहुत बुरी तरह से कर्ज में डूबा हुआ है, जिसे हम लोग लगातार बाहर निकालने का प्रयास कर रहे हैं।

पूरे प्रदेश की सड़कें हमें टूटी हुई मिली थीं, हम लोग आने के बाद से ही उनको ठीक करने का काम कर रहे हैं। ऐसे में नई सड़कें बनाना तो आगे की बात है। आगे उन्होंने कहा, जिस तरह की चीजें वह हमें विरासत में देकर गए हैं, उन पर तो मैं कुछ नहीं कहना चाहूंगी, लेकिन मैं ये जरूर कहूंगी, हमारे बजट की जो भी घोषणाएं हैं, उनका मैं समय-समय पर रिव्यू ले रही हूं। फिर चाहे वह महाराणा प्रताप सर्किट हो, जिसका मैंने राजसमंद में रिव्यू लिया था, उसका काम तेज गति से चल रहा है। पुष्कर कॉरिडोर का रिव्यू मैंने पुष्कर में भी लिया था और जयपुर में भी लगातार ले रहे हैं। इसी तरह खाटू श्यामजी कॉरिडोर की रिव्यू मीटिंग भी हम लगातार ले रहे हैं। ट्राइबल सर्किट की समीक्षा भी हम लगातार कर रहे हैं और उसको कैसे करेंगे, कहां करेंगे इस बारे में भी हम लगातार चर्चा कर रहे हैं। सब कुछ हो रहा है, सभी चीजों की डीपीआर बन रही है, कुछ पैसा दिल्ली से आएगा, कुछ पैसा हम लोग लगाएंगे। इसके आगे उन्होंने अपनी सरकार की प्रतिबद्धता बताते हुए और राज्य में पर्यटन के अवसर बढ़ाने को लेकर कहा, हमारी सरकार सिर्फ बातें ही नहीं करेगी, धरातल पर काम भी करेगी और हम लोग फालतू की बड़ी-बड़ी घोषणाएं नहीं करेंगे, जैसी उन लोगों ने की थी। जो काम हो सकता है सचमुच वो करेंगे। टूरिज्म एक ऐसी चीज है, जिसमें आप किसी भी टूरिस्ट को अच्छी व्यवस्थाएं दे दो, अच्छी सड़क दे दो, रहने की जगह दे दो, टॉयलेट्स दे दो, फैसिलिटीज दे दो, कनेक्टिविटी दे दो, उसके बाद आपको कुछ करने की जरूरत नहीं है। हमारे प्रदेश में प्राइवेट सेक्टर भी बहुत सक्षम है, और अच्छा काम करते हैं। उनके साथ मिलकर अगर हम लोग सरकार एक फेसिलिटेटर के रूप में अच्छा काम करे तो मुझे लगता है उसके अच्छे परिणाम आएंगे और प्रदेश में बहुत सारे पर्यटक आएंगे। पिछले साल 23 करोड़ से ज्यादा पर्यटक राजस्थान आए थे, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है।

स्वयंभू संत रामपाल को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट से बड़ी राहत, उम्रकैद की सजा पर रोक

चंडीगढ़, एजेंसी। सतलोक आश्रम बरवाला के स्वयंभू संत रामपाल को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। वर्ष 2014 में आश्रम के भीतर महिला अनुयायियों की मौत के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे रामपाल की सजा पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। 10 साल से जेल में बंद रामपाल के लिए रिहाई का रास्ता साफ हो गया है। जस्टिस गुरविंद्र सिंह गिल और जस्टिस दीपिंद्र सिंह नलवा की खंडपीठ ने रामपाल की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता के खिलाफ यह आरोप जरूर है कि उसने महिलाओं को आश्रम में बंद रखा था लेकिन मेडिकल साक्ष्यों को लेकर गंभीर बहस योग्य मुद्दे मौजूद हैं। रामपाल की उम्र 74 वर्ष है और वह पहले ही 10 साल 27 दिन की वास्तविक सजा काट चुका है। साथ ही मृतक के पति और सास ने भी अभियोजन पक्ष का समर्थन नहीं किया।

डॉक्टरों की रिपोर्ट में महिला की मौत की वजह न्यूमोनिया बताई

रामपाल ने अक्तूबर 2018 में सैशन कोर्ट द्वारा सुनाई गई सजा को चुनौती देते हुए सजा निलंबन की मांग की थी। उसे आई.पी.सी. की धारा 343, 302 और 120-बी के तहत दोषी ठहराया गया था। रामपाल के वकील ने दलील दी कि उसे झूठा फंसाया गया है और यह मामला प्राकृतिक मौत का है। डॉक्टरों की रिपोर्ट के अनुसार, महिला की मौत न्यूमोनिया से हुई थी। यहां तक कि मृतका के पति और सास ने भी अदालत में स्वीकार किया कि मृतका एक माह से न्यूमोनिया से पीड़ित थी। बचाव पक्ष ने यह भी कहा कि 13 अन्य सह-आरोपी पहले ही जमानत पर रिहा हो चुके हैं, इसलिए रामपाल को भी समान आधार पर राहत मिलनी चाहिए। वहीं, राज्य सरकार ने इस याचिका का विरोध करते हुए कहा कि मृतका समेत कई महिलाओं को रामपाल के आश्रम में कैद कर रखा गया था, जहां उसे न तो पर्याप्त भोजन दिया जाता था और न ही रहने की सुविधा।

80 प्रतिशत मराठा खेती पर निर्भर, आरक्षण एकमात्र विकल्प : शरद पवार

मुंबई, एजेंसी। मुंबई में मराठा कोटा आंदोलन के फिर से शुरू हुआ है। इस बीच, एनसीपी (एसपी) अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को कहा कि इन मुद्दों को हल करने के लिए संवैधानिक संशोधन जरूरी है, क्योंकि आरक्षण पर एक सीमा लगी हुई है।

उन्होंने कहा कि 80 प्रतिशत मराठा लोग खेती पर निर्भर हैं, लेकिन केवल कृषि उनके भविष्य को सुरक्षित नहीं कर सकती, इसलिए आरक्षण ही एकमात्र विकल्प है। पवार ने एक समारोह में कहा कि वे दूसरे सांसदों के साथ संवैधानिक संशोधन की जरूरत पर चर्चा कर रहे हैं। शरद पवार ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण पर 52 प्रतिशत की सीमा तय की है, लेकिन तमिलनाडु में 72 प्रतिशत कोटा को अदालत ने मंजूरी दी थी।

कोर्ट बीच में नहीं आ सकते, नए ऑनलाइन गेमिंग ऐक्ट को लेकर केंद्र का कर्नाटक हाईकोर्ट को जवाब

बेंगलुरु, एजेंसी। नए ऑनलाइन गेमिंग अधिनिमय को लेकर कर्नाटक हाई कोर्ट द्वारा पूछे गए सवाल का केंद्र सरकार ने जवाब दिया है। केंद्र सरकार की ओर से जवाब देने के लिए आए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायालय को बताया कि इस ऐक्ट को लागू करने में अब अदालतें आड़े नहीं आ सकती हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक बार किसी कानून को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल जाने के बाद उसके ऊपर न्यायिक प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता। यह एक संवैधानिक काम है।

सॉलिसिटर जनरल ने कहा

नए ऑनलाइन गेमिंग ऐक्ट का बचाव करते हुए सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि संसद में पारित होने के बाद और राष्ट्रपति द्वारा मंजूरी मिलने के बाद इसे रोकने की कोई गुंजाइश नहीं बचती है। इसके बाद जब अदालत ने पूछा कि क्या इस ऐक्ट को लेकर अधिसूचना जल्द ही जारी हो जाएगी? इसका जवाब देते हुए तुषार मेहता ने कहा कि ऐसा जल्दी ही हो सकता है। सॉलिसिटर जनरल की कर्नाटक हाईकोर्ट में न्यायमूर्ति बी एम श्यामा प्रसाद की पीठ के सामने दी गई इन दलीलों का मतलब है कि एक वर्ग के विरोध के बावजूद सरकार जल्दी ही असली पैसे वाले इन ऑनलाइन गेम और उनके प्रचार पर बैन लगा देगी। गौरतलब है कि मॉनसून सत्र में सरकार द्वारा लाए गए इस विधेयक और अब ऐक्ट के खिलाफ ए23 (ऑनलाइन रमी और पोकर प्लेटफार्म) की मूल कंपनी हेडडिजिटल वर्क्स ने कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। कंपनी की तरफ से पेश हुए वकील आर्यमा सुंदरम ने शनिवार को ही हाई कोर्ट ने अनुरोध किया कि ऐक्ट पर फिलहाल अंतरिम रोक लगाई जाए और इसे खारिज करने के अनुरोध पर विचार किया जाए। इसके अलावा सुंदरम ने यह भी अनुरोध किया कि केंद्र सरकार को यह निर्देश दिया जाए कि जब तक उच्च न्यायालय द्वारा इस अधिनियम को जांच नहीं लिया जाता तब तक इसे अधिसूचित नहीं किया जाए।

इस पर केंद्र सरकार की तरफ से पेश हुए तुषार मेहता ने कहा कि एक बार राष्ट्रपति की स्वीकृति मिल जाने के बाद इसकी अधिसूचना और उसके बाद इसे लागू होने से नहीं रोका जा सकता। उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया और अगली सुनवाई की तारीख 8 सितंबर तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर द्वारा साई प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 सिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)